R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 164 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 24 मई 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

रोजगार मेले में बोले पीएम मोदी:

भारत बना दुनिया का भरोसेमंद साझेदार, युवाओं के लिए खुलेंगे नए अवसर

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 19वें रोजगार मेले के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में चयनित 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं, तकनीकी क्षमता और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को लेकर आशावादी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब दुनिया का भरोसेमंद सप्लाई चेन पार्टनर बनकर उभर रहा है और इसका सबसे बड़ा लाभ देश के युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की विश्वसनीयता लगातार मजबूत हो रही है, जिससे रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

अपने हालिया पांच देशों के दौरे का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस यात्रा के दौरान उन्होंने कई वैश्विक नेताओं और बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हर जगह भारत की विकास यात्रा और भारतीय युवाओं की प्रतिभा को लेकर उत्साह देखने को मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया भारत के साथ साझेदारी करना चाहती है ताकि तकनीक, व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा मिल सके। उन्होंने बताया कि नीदरलैंड के साथ सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, कृषि और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण चर्चा हुई है। वहीं स्वीडन के साथ आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस और डिजिटल इनोवेशन पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि नॉर्वे के साथ ग्रीन टेक्नोलॉजी और मैरीटाइम सेक्टर में सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम हो रहा है, जबकि यूएई के साथ ऊर्जा और टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप को मजबूत किया गया है। इटली के साथ रक्षा, विज्ञान, टेक्नोलॉजी और क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सभी अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का सीधा लाभ भारत के युवाओं को मिलने वाला है। हर नया निवेश और तकनीकी सहयोग रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा और युवाओं को वैश्विक स्तर पर काम करने का मौका देगा। उन्होंने विशेष रूप से नीदरलैंड की सेमीकंडक्टर कंपनी ASML और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बीच हुए समझौते का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारत के लिए नेक्स्ट जेनरेशन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। इससे देश में रोजगार के हजारों नए अवसर तैयार होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज क्लीन एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, क्रिटिकल मिनरल्स और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था को दिशा दे रहे हैं। भारत इन क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया के कई देशों के साथ मिलकर नई तकनीकों पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का शिप बिल्डिंग और मैरीटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर भी तेजी से मजबूत हो रहा है। यूएई और नॉर्वे जैसे देशों के साथ सहयोग से इस क्षेत्र में नई संभावनाएं खुल रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार मेला युवाओं को सरकारी सेवाओं से जोड़ने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि अब तक आयोजित 18 रोजगार मेलों के माध्यम से करीब 12 लाख नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं। इस बार आयोजित 19वें रोजगार मेले में चयनित अभ्यर्थियों को रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग समेत केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में नियुक्ति दी जाएगी।

छात्र वीजा पाबंदियों से अमेरिका को नुकसान: सांसदों की चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों और शोधकर्ताओं के वीजा नियम सख्त करने की संभावित योजना पर अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने चिंता जताई है। सांसदों ने ट्रंप प्रशासन से मौजूदा वीजा व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि नई पाबंदियां अमेरिका की तकनीकी बढ़त और आर्थिक प्रतिस्पर्धा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। सांसदों ने एफ-1 और जे-1 वीजा धारकों के लिए "ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस" व्यवस्था खत्म कर चार साल की तय सीमा लागू करने के प्रस्ताव का विरोध किया। उनका कहना है कि STEM यानी विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में लंबी रिसर्च और पीएचडी के लिए मौजूदा लचीली व्यवस्था जरूरी है। पत्र में कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय छात्र हर साल अमेरिकी अर्थव्यवस्था में करीब 43 अरब डॉलर का योगदान देते हैं और लाखों नौकरियों को समर्थन प्रदान करते हैं। सांसदों ने चेतावनी दी कि विदेशी छात्रों की संख्या घटने से अमेरिका का उच्च-कुशल तकनीकी कार्यबल कमजोर हो सकता है और इसका असर इनोवेशन तथा जीडीपी पर पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

आंधी से दीवार गिरी, स्कूल की छत टूटी, 10 बच्चे घायल

फरीदाबाद । हरियाणा के फरीदाबाद की भारत कॉलोनी में शनिवार सुबह तेज आंधी के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। बगल में स्थित एक निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से पास के हंस मेमोरियल स्कूल की छत क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे कक्षा में पढ़ रहे 10 बच्चे घायल हो गए। जानकारी के अनुसार यह घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई, जब बच्चे अपनी क्लास में पढ़ाई कर रहे थे। अचानक तेज आंधी के चलते कमजोर निर्माणाधीन दीवार भरभराकर गिर गई और उसका मलबा स्कूल परिसर पर आ गिरा। दीवार के मलबे की चपेट में आने से चार बच्चों के सिर में गंभीर चोटें आईं, जबकि अन्य को भी चोटें लगीं। सभी घायलों को तुरंत बीके अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। हादसे के बाद स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। शिक्षक और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और बच्चों को सुरक्षित

बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि स्कूल के पास चल रहा निर्माण कार्य बिना पर्याप्त सुरक्षा मानकों के किया जा रहा था। उनका कहना है कि कमजोर दीवार और लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। लोगों ने निर्माण कार्य की जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। अभिभावकों ने भी जिला प्रशासन से शहर में चल रहे अवैध और असुरक्षित निर्माण कार्यों पर सख्त निगरानी की अपील की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि हादसे के बाद तुरंत बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया और हर संभव सहायता दी गई।

NEET-UG 2026: रिफंड प्रक्रिया शुरू, बैंक डिटेल अपडेट की अंतिम तिथि 27 मई

नई दिल्ली । राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने NEET-UG 2026 परीक्षा के रद्द हुए चरण में शामिल उम्मीदवारों के लिए रिफंड प्रक्रिया शुरू कर दी है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि छात्र अब अपनी परीक्षा शुल्क वापसी के लिए आधिकारिक पोर्टल पर लॉग इन कर बैंक विवरण अपडेट कर सकते हैं। एनटीए के अनुसार रिफंड सुविधा NEET-UG 2026 पंजीकरण पोर्टल पर उपलब्ध करा दी गई है। उम्मीदवार अपने आवेदन क्रेडेंशियल से लॉग इन करके समर्पित रिफंड लिंक के माध्यम से प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। रिफंड प्राप्त करने के लिए छात्रों को खाताधारक का नाम, बैंक का नाम, खाता संख्या और आईएफएससी कोड जैसी जानकारी दर्ज करनी होगी। इसके अलावा, जानकारी की पुष्टि के लिए रद्द किए गए चेक की स्कैन कॉपी अपलोड करने का विकल्प भी दिया गया है। एनटीए ने चेतावनी दी है कि एक बार बैंक विवरण जमा करने के बाद उसमें कोई संशोधन नहीं किया जा सकेगा। इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि सभी जानकारी भरने से पहले सावधानीपूर्वक जांच कर लें। बैंक डिटेल

अपडेट करने की अंतिम तिथि 27 मई, रात 11:50 बजे निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि 3 मई को देशभर में आयोजित NEET-UG परीक्षा कुछ अनियमितताओं के कारण रद्द कर दी गई थी। आरोप है कि परीक्षा से पहले कुछ लोगों ने प्रश्नपत्र हासिल कर उसे पैसे के बदले अभ्यर्थियों तक पहुंचाया। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) कर रही है। इसके बाद एनटीए ने घोषणा की है कि NEET-UG 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक चलेगी, जिसमें परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ा अतिरिक्त समय भी शामिल होगा। एनटीए ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे रिफंड और पुनर्परीक्षा से संबंधित सभी अपडेट के लिए नियमित रूप से आधिकारिक वेबसाइट देखते रहें।

'कॉकरोच जनता पार्टी' पर राकेश टिकैत का बयान, युवाओं की नाराजगी को बताया बड़ा संकेत

मुजफ्फरनगर । सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी "कॉकरोच जनता पार्टी" को लेकर किसान नेता राकेश टिकैत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तेजी से यह पार्टी आगे बढ़ रही है, उससे साफ संकेत मिलता है कि देश के बेरोजगार और परेशान युवा बड़ी संख्या में इससे जुड़ रहे हैं। राकेश टिकैत ने कहा कि इस तरह के उभार के पीछे युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और असंतोष मुख्य कारण हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी का गठन करने वाला व्यक्ति विदेश में बैठा है, लेकिन वहां से भी वह युवाओं के बीच एक माहौल बनाने में सफल हुआ है। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि यही रफ्तार जारी रही तो आने वाले समय में राजनीतिक स्तर पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है और कई लोग इसका समर्थन करते नजर आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी बयान या स्थिति से युवाओं में नाराजगी बढ़ी है, तो संबंधित लोगों को आगे आकर अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। किसान नेता ने यह भी कहा कि देश में बेरोजगारी की स्थिति चिंताजनक है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा अब छोटी-छोटी नौकरियों के लिए भी आवेदन करने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं

की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन असंतोष को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने सरकार की नीतियों पर भी सवाल उठाए और कहा कि डीजल-पेट्रोल की खपत कम करने की बात तो होती है, लेकिन पुराने वाहनों से जुड़े नियमों में बदलाव नहीं किया जा रहा। उन्होंने महंगाई, स्वास्थ्य सेवाओं और रेलवे व्यवस्था को लेकर भी नाराजगी जताई। राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार को सलाह देते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार देना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा नहीं दी गई तो यह असंतोष भविष्य में बड़े सामाजिक और राजनीतिक बदलाव का रूप ले सकता है।

भोंडसी जेल पहुंचे अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान, मंत्री संजीव अरोड़ा से की मुलाकात

गुरुग्राम । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शनिवार को गुरुग्राम स्थित भोंडसी जेल पहुंचे। दोनों नेताओं ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से मुलाकात की। संजीव अरोड़ा को प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कथित 100 करोड़ रुपये के जीएसटी धोखाधड़ी मामले में 9 मई को चंडीगढ़ स्थित उनके सरकारी आवास से गिरफ्तार किया था। मामला मोबाइल फोन की बिक्री से जुड़े कथित फर्जी लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा बताया जा रहा है। अदालत ने 18 मई को उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। मामले की अगली सुनवाई 1 जून को होगी। कोर्ट में पेशी के दौरान संजीव अरोड़ा भावुक नजर आए। परिवार से मुलाकात के समय उन्होंने अपनी बेटी कृतिका अरोड़ा को गले लगाया, जिससे माहौल भावुक हो गया। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर अरोड़ा के समर्थन में पोस्ट करते हुए उन्हें "बहादुर और देशभक्त" बताया और कहा कि पूरे पंजाब को उन पर गर्व है। इधर, गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देने वाली अरोड़ा की याचिका पर सोमवार को पंजाब

एवं हरियाणा हाई कोर्ट में सुनवाई होनी है। इस मामले में ईडी अपना जवाब दाखिल करेगी। जांच का दायरा अब प्रशासनिक अधिकारियों और कारोबारी सहयोगियों तक भी पहुंच गया है। ईडी ने आईएएस अधिकारी बसंत गर्ग सहित कई अधिकारियों को पूछताछ के लिए तलब किया है। वहीं, गमाडा और अन्य विभागों से न्यू चंडीगढ़ के रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स से जुड़े दस्तावेज भी मांगे गए हैं। इसके अलावा संजीव अरोड़ा के दो कारोबारी साझेदारों को भी दिल्ली बुलाया गया है। ईडी की टीम इस मामले में वित्तीय लेनदेन, रियल एस्टेट निवेश और कथित मनी लॉन्ड्रिंग के पहलुओं की जांच कर रही है।

तेजस्वी यादव का केंद्र पर हमला: महंगाई, बेरोजगारी और रुपये की गिरावट को लेकर साधा निशाना

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के नेता एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक नीतियों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास महंगाई पर लगाम लगाने की कोई ठोस "रेमेडी" नहीं है और देश की अर्थव्यवस्था लगातार कमजोर हो रही है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि एनडीए सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उन्होंने रुपये की गिरती कीमत का जिक्र करते हुए कहा कि विगत वर्षों में भारतीय मुद्रा लगातार कमजोर हुई है और यह एशिया में सबसे कमजोर स्तरों में पहुंच गई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में रुपये ने अपनी आधी कीमत खो दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार भले ही भारत को बड़ी अर्थव्यवस्था बताती हो, लेकिन प्रति व्यक्ति आय के मामले में देश कई देशों से पीछे है। बिहार की आर्थिक स्थिति पर भी उन्होंने चिंता जताई और कहा कि राज्य वित्तीय रूप से बेहद कमजोर स्थिति में है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार की नीतियों के कारण विकास

प्रभावित हो रहा है और आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि एलपीजी गैस, पेट्रोल-डीजल, खाद-बीज, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का जीवन कठिन हो गया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार के पास महंगाई को नियंत्रित करने का कोई प्रभावी रोडमैप नहीं है और आम जनता की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इटली यात्रा के दौरान "मेलोडी" नाम की चॉकलेट भेंट करने का वीडियो वायरल हुआ था, जिस पर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है।

बंगाल की स्वास्थ्य सेवाओं पर नड्डा की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर वर्चुअल समीक्षा बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM), पीएम-आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, NHM के तहत पश्चिम बंगाल को आवंटित ₹3,505.59 करोड़ में से पहली किस्त के रूप में ₹527.58 करोड़ जारी किए गए हैं। बैठक में HPV टीकाकरण, टीबी मुक्त भारत अभियान और आयुष्मान भारत योजना के बेहतर क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया।

कोलकाता में मिशनरीज ऑफ चैरिटी पहुंचे मार्को रुबियो, भारत- अमेरिका साझेदारी पर जोर

कोलकाता । अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत के चार दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने अपनी यात्रा की शुरुआत कोलकाता से की, जहां उन्होंने "मिशनरीज ऑफ चैरिटी" का दौरा किया। इस दौरान भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी उनके साथ मौजूद रहे। सर्जियो गोर ने इस अवसर पर कहा कि भारत और अमेरिका की साझेदारी केवल रणनीतिक और नीतिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि साझा मूल्यों और निस्वार्थ सेवा की भावना पर भी आधारित है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि ऐसे क्षण दोनों देशों के संबंधों की गहराई को दर्शाते हैं। रुबियो की यह भारत यात्रा पिछले वर्ष पदभार संभालने के बाद उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है। वे कोलकाता के बाद आगरा और जयपुर सहित भारत के अन्य शहरों का भी दौरा करेंगे। उनके दौरे के दौरान सुरक्षा और कूटनीतिक संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की संभावना है। अमेरिकी राजदूत

ने बताया कि रुबियो की आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात प्रस्तावित है। इसके अलावा वे विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस दौरे के दौरान क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक भी प्रस्तावित है, जिसमें भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्री शामिल होंगे। यह बैठक 26 मई को नई दिल्ली में होगी। बैठक में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, रक्षा, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। बदलते वैश्विक हालात के बीच यह दौरा भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

PWD का बड़ा आदेश: विदेश यात्रा बंद, कारपूलिंग जरूरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (PWD) ने ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए बड़ा फैसला लिया है। विभाग ने अधिकारियों और कर्मचारियों की निजी व सरकारी विदेश यात्राओं पर अगली सूचना तक रोक लगा दी है। पहले से स्वीकृत यात्राएं और छुट्टियां भी रद्द मानी जाएंगी। PWD मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा के निर्देश पर जारी आदेश में अधिकारियों को निरीक्षण, उद्घाटन और सरकारी कार्यक्रमों में कारपूलिंग अपनाने के लिए कहा गया है। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों और सार्वजनिक परिवहन के अधिक इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। विभाग ने अपने वाहन बेड़े के तेजी से विद्युतीकरण और बागवानी परियोजनाओं में केवल जैविक खाद के उपयोग के निर्देश भी दिए हैं। इसके अलावा "ग्रीन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट" स्थापित करने की प्रक्रिया तेज की जाएगी। यह कदम दिल्ली सरकार के "मेरा भारत, मेरा योगदान" अभियान के तहत उठाया गया है, जिसका उद्देश्य ईंधन बचत और प्रदूषण नियंत्रण को बढ़ावा देना है।

तमिलनाडु में 10 साल की बच्ची की हत्या से सनसनी, मुख्यमंत्री विजय बोले- दोषियों को नहीं बख्शेंगे

कोयंबटूर । तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के सुलूर इलाके में 10 वर्षीय बच्ची की हत्या के मामले ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। बच्ची गुरुवार शाम से लापता थी और शुक्रवार को उसका शव कन्नमपलयम झील के पास घायल अवस्था में मिला। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बच्ची घर के पास किराने का सामान लेने गई थी, तभी आरोपियों ने कथित रूप से उसका अपहरण कर लिया और बाद में उसकी हत्या कर दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कार्तिक और मोहन राज के रूप में हुई है। घटना के बाद पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। बच्ची के परिजनों ने सुलूर पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन करते हुए न्याय की मांग की। परिवार ने कहा कि जब तक सरकार की ओर से ठोस आश्वासन नहीं मिलता, वे बच्ची का शव नहीं लेंगे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने घटना पर गहरा

दुख व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे अमानवीय अपराध किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए तमिलनाडु पुलिस महानिदेशक संदीप राय राठौर भी जांच की समीक्षा के लिए कोयंबटूर पहुंचे। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में छात्रों और स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। इस मामले को लेकर राज्य की राजनीति भी गरमा गई है। विपक्षी दल DMK ने नई TVK सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। सरकार की ओर से मंत्री एमएस संपत ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर भरोसा दिलाया कि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। वहीं स्थानीय विधायक एनएम सुकुमार ने भी परिवार को न्याय का आश्वासन दिया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

पेटेंट व्यवस्था मजबूत किए बिना अधूरा रहेगा इनोवेशन का सपना

भारत आज इनोवेशन और तकनीकी विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। नीति आयोग के अनुसार वर्ष 2025-26 में देश में लगभग 1.43 लाख पेटेंट आवेदन दाखिल हुए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 30 प्रतिशत अधिक हैं। यह आंकड़ा बताता है कि देश में नए आइडियाज, रिसर्च और तकनीकी प्रयोगों की कमी नहीं है। विश्वविद्यालयों, स्टार्टअप्स और रिसर्च संस्थानों में नए प्रोटो-टाइप तैयार हो रहे हैं और लैब स्तर पर कई प्रयोग सफल भी हो रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इन इनोवेशन्स का बड़ा हिस्सा व्यावसायिक उत्पादन तक नहीं पहुंच पा रहा। असल समस्या केवल रिसर्च की कमी नहीं, बल्कि पेटेंट और इनोवेशन व्यवस्था की कमजोर बुनियाद है। नीति आयोग ने रिसर्च पर खर्च को जीडीपी के मौजूदा 0.5 प्रतिशत से बढ़ाकर कम से कम 2 प्रतिशत करने की बात कही है। यह सुझाव स्वागतयोग्य है, क्योंकि बिना पर्याप्त निवेश के वैज्ञानिक प्रगति संभव नहीं। मगर केवल बजट बढ़ाने से समाधान नहीं निकलेगा। जरूरत उस ढांचे को मजबूत करने की है जो इनोवेशन को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाने का काम करता है। आज इंडियन पेटेंट ऑफिस में स्टाफ की भारी कमी है। पेटेंट की प्रारम्भिक और द्वितीय चरण की जांच में वर्षों लग जाते हैं। कई मामलों में तकनीक की चोरी, एआई के जरिए नकल या पुराने शोध को नए शब्दों में पेश करने जैसी समस्याओं की जांच में पांच-पांच साल का समय लग रहा है। इतनी लंबी प्रक्रिया इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स का उत्साह कम कर देती है। जब तक पेटेंट को समय पर मंजूरी नहीं मिलेगी, तब तक नए आविष्कार बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। नीति आयोग ने औद्योगिक कॉम्प्लेक्स में रिसर्च, इनोवेशन और डेवलपमेंट सेंटर बनाने का सुझाव दिया है। यह विचार व्यावहारिक है, क्योंकि उद्योग और रिसर्च के बीच सीधा संबंध बनने से नई तकनीकों का उपयोग तेजी से बढ़ सकता है। लेकिन यहां निजी क्षेत्र की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारत में अधिकतर कंपनियां केवल अंतिम उत्पाद निर्माण और मुनाफे तक सीमित रहती हैं। रिसर्च पर उनका निवेश बेहद कम है। जबकि अमेरिका और चीन जैसे देशों में निजी क्षेत्र कुल रिसर्च खर्च का लगभग 70 प्रतिशत वहन करता है। यदि भारत को वैश्विक तकनीकी शक्ति बनना है तो सरकार और निजी क्षेत्र दोनों को मिलकर काम करना होगा। तेज और पारदर्शी पेटेंट व्यवस्था, रिसर्च में बड़े निवेश, उद्योगों की सक्रिय भागीदारी और युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहन — यही वह रास्ता है जो भारत को "मेक इन इंडिया" से आगे "इन्वेंट इन इंडिया" की दिशा में ले जा सकता है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

तपती धरती, झुलसता जीवन: हीटवेव की चुनौती

ललित गर्ग

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं।

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर कंक्रीट के जंगल बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती। दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजिरेटर गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है। गर्मी का यह संकट सामाजिक और मानवीय संकट भी बन सकता है। जल स्रोतों के सूखने, कृषि संकट और जीवन परिस्थितियों के बिगड़ने से बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ सकता है। जैव विविधता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अनेक जीव-जंतु और वनस्पतियां अपने प्राकृतिक आवास खो रही हैं। हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। केवल रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी करना पर्याप्त नहीं है। हीटवेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण, छायादार मार्ग, सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो। सरकार को भवन निर्माण नीति में भी परिवर्तन लाना होगा। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला-हवादार घर, आंगन, मिट्टी आधारित निर्माण, हरित छतें और प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा देना चाहिए। कांच की चमचमाती इमारतों और ऊष्मा अवशोषित करने वाले निर्माणों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। कूल रूफ तकनीक, वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित शीतलन प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वन संरक्षण और वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनना चाहिए। शहरों में माइक्रो फॉरेस्ट, पार्क और हरित गलियारों का निर्माण किया जाए। जल निकायों और पारंपरिक तालाबों को पुनर्जीवित किया जाए क्योंकि वे स्थानीय तापमान नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल सरकारें यह लड़ाई नहीं जीत सकतीं। आम जनता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हमें उपभोगवादी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है। गर्मी का यह संकट सामाजिक और मानवीय संकट भी बन सकता है। जल स्रोतों के सूखने, कृषि संकट और जीवन परिस्थितियों के बिगड़ने से बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ सकता है। जैव विविधता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अनेक जीव-जंतु और वनस्पतियां अपने प्राकृतिक आवास खो रही हैं। हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है...

हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। केवल रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी करना पर्याप्त नहीं है। हीटवेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण, छायादार मार्ग, सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो। सरकार को भवन निर्माण नीति में भी परिवर्तन लाना होगा। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला-हवादार घर, आंगन, मिट्टी आधारित निर्माण, हरित छतें और प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा देना चाहिए। कांच की चमचमाती इमारतों और ऊष्मा अवशोषित करने वाले निर्माणों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। कूल रूफ तकनीक, वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित शीतलन प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वन संरक्षण और वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनना चाहिए। शहरों में माइक्रो फॉरेस्ट, पार्क और हरित गलियारों का निर्माण किया जाए। जल निकायों और पारंपरिक तालाबों को पुनर्जीवित किया जाए क्योंकि वे स्थानीय तापमान नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल सरकारें यह लड़ाई नहीं जीत सकतीं। आम जनता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हमें उपभोगवादी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा।

प्रतीक

डॉ. घनश्याम बादल

उभरना राजनीति में 'कॉकरोचों' का !

सियासत में समय-समय पर ऐसे प्रतीक उभरते रहे हैं, जो शब्द मात्र नहीं, जनभावनाओं के विस्फोट का माध्यम बने हैं। कभी आम आदमी का पार्टी का गठन भी इसी तरीके से हुआ था, जैसे हाल के दिनों में विभिन्न आभासी मीडिया मंचों पर चर्चित "कॉकरोच जनता पार्टी" बनी है। अभिजीत दीपके द्वारा गठित कॉकरोच जनता पार्टी ऐसा ही एक राजनीतिक-सामाजिक प्रतीक बनकर सामने आई है। कॉकरोच जनता पार्टी जैसा नाम भले ही व्यंग्यात्मक लगे, किंतु इसके पीछे छिपी बेचैनी, असंतोष और व्यवस्था-विरोधी मनोवृत्ति को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह केवल एक डिजिटल मज़ाक नहीं, बल्कि उस पीढ़ी का आक्रोश माना जाना चाहिए जो स्वयं को व्यवस्था द्वारा उपेक्षित, अपमानित और अनसुना महसूस कर रही है। इस पूरी कहानी की शुरुआत उस विवादास्पद टिप्पणी से मानी जा रही है, जिसमें बेरोजगार युवाओं की तुलना "कॉकरोच" से करने वाला विवादित बयान भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत से जुड़ा बताया गया है। 15 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में एक 'फ्री वोलस' यानी तुच्छ समझे जाने वाले प्रकरण की सुनवाई के दौरान सामने आई थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मौखिक टिप्पणी में कहा गया था कि कुछ बेरोजगार युवा "कॉकरोच की तरह" विभिन्न क्षेत्रों में घुस जाते हैं, जिनमें पत्रकारिता और आरटीआई एक्टिविज़्म का भी उल्लेख किया गया। इस कथन के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। बड़ी संख्या में युवाओं ने इसे पूरे बेरोजगार वर्ग का अपमान माना। हालांकि अगले ही दिन जस्टिस सूर्यकांत ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी को "गलत तरीके से पेश" किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आशय समूची युवा पीढ़ी से नहीं था, बल्कि उन लोगों से था जो "फर्जी और नकली डिग्रियों" के सहारे पेशों में प्रवेश करते हैं। इसी कथित टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक प्रतिरोध के रूप में "कॉकरोच जनता पार्टी" का उदय हुआ।

शुरुआत में इसे केवल एक मीम या इंटरनेट ट्रेंड माना गया, किंतु कुछ ही दिनों में यह डिजिटल आंदोलन का रूप लेने लगा। इतना स्पष्ट है कि युवाओं ने इसे अपने आक्रोश की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया है। भारतीय राजनीति के संदर्भ में इस घटना को समझें तो आज का युवा पारंपरिक राजनीति से ऊब चुका है। वह लंबी वैचारिक बहसों से अधिक प्रत्यक्ष अनुभवों पर विश्वास करता है। बेरोजगारी, परीक्षा-पत्र लीक, अवसरों की कमी, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और आर्थिक व सामाजिक तथा व्यक्तिगत असुरक्षा ने उसके भीतर गहरी निराशा व एक बड़ा शून्य पैदा कर दिया है। उसे लगता है कि सत्ता, न्याय व्यवस्था या राजनीतिक दल उसकी पीड़ा को समझने के बजाय उसका उपहास कर रहे हैं, तब व्यंग्य उसका प्रतिरोध का हथियार बन सामने आता है। "कॉकरोच जनता पार्टी" इसी व्यंग्यात्मक अभिव्यक्ति की उपज है। यह उस पीढ़ी की सोच है जो आज कह रही है कि यदि व्यवस्था हमें "कॉकरोच" समझती है, तो हम उसी शब्द को प्रतिरोध के प्रतीक में बदल देंगे। पहले राजनीतिक दल ज़मीन से उठते थे, फिर मीडिया तक पहुंचते थे। अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पहले पहचान बनती है और बाद में वास्तविक राजनीतिक संभावना तैयार होती है। यही कारण है कि "कॉकरोच जनता पार्टी" का नाम सुनते ही लोगों में जिज्ञासा उत्पन्न हुई और वह वायरल हो गया। हालांकि इस पूरे आंदोलन को लेकर कई प्रश्न भी हैं। क्या यह वास्तविक राजनीतिक संगठन है अथवा केवल डिजिटल असंतोष का बुलबुला मात्र है? क्या इसके पीछे कोई संगठित राजनीतिक रणनीति है? क्या यह किसी दल विशेष के विरोध या समर्थन का अप्रत्यक्ष माध्यम है? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर अभी उपलब्ध नहीं हैं। याद रहना चाहिए कि लोकतंत्र में व्यंग्य हमेशा जनभावनाओं का संकेतक रहा है। जब जनता सीधे विरोध करने में असहज महसूस करती है, तब हास्य और कटाक्ष उसकी भाषा बन जाते हैं। उल्लेखनीय है कि इस प्रकार के आंदोलनों का उदय लोकतंत्र के स्वास्थ्य का संकेत भी है और चेतावनी भी। यदि मुख्यधारा की राजनीति युवा वर्ग की पीड़ा को गंभीरता से नहीं लेगी, तो असंतोष व्यंग्य, कटाक्ष और अराजक डिजिटल अभियानों में परिवर्तित होता जाएगा इसकी प्रबल संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सहनशीलता और आत्मसुधार की क्षमता रही है। इसलिए सत्ता, विपक्ष, न्यायपालिका और समाज सभी को इस घटना को केवल हास्य के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान के दस्तावेज़ की तरह पढ़ना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अहंकार ही अज्ञान है

संकलित
दर्शन

सूर्य वैसे तो सारे संसार को प्रकाश और ताप देता है, पर यदि वह मेघ से आच्छन्न हो जाए तो ऐसा नहीं कर पाता। इसी भांति जब तक हृदय अहंकार के आवरण से आच्छादित रहता है, तब तक उसमें भगवान प्रकाशित नहीं हो पाते। यह अहं मेघ की तरह है। इसी के कारण हम ईश्वर को नहीं देख पाते। यदि श्रीगुरु की कृपा से अहं-बुद्धि दूर हो जाए तो फिर ईश्वर के पूर्ण दर्शन हो जाते हैं। जैसे, सिर्फ ढाई हाथ की दूरी पर ही साक्षात पूर्णब्रह्म श्रीरामचंद्र जी हैं, किंतु बीच में सीता रूपिणी माया का आवरण होने के कारण लक्ष्मण जी रूपी जीव को ईश्वर राम के दर्शन नहीं होते। जीव का अहंकार ही माया है। यही अहंकार सब आवरण का मूल है। मैं के मरने पर ही सारा जंजाल दूर होगा। अगर किसी को ईश्वर की कृपा से मैं कर्ता नहीं हूं- यह ज्ञान हो जाए, तब तो वह जीवनमुक्त ही हो गया। फिर उसे किसी बात का भय नहीं। अगर मैं अपने को इस अंगोछे की ओट में कर लूं तो तुम मुझे नहीं देख सकते, पर मैं तुम्हारे बिल्कुल नजदीक ही हूं। इसी भांति और सभी चीजों की अपेक्षा ईश्वर ही तुम्हारे सबसे ज्यादा निकट है, किंतु अहं रूपी आवरण के कारण तुम उनके दर्शन नहीं कर सकते। जब तक अहंकार रहता है, तब तक न ज्ञान होता है, न मुक्ति मिलती है। हांडी में रखे पानी और चावल, दाल, आलू आदि को तब तक छुआ जा सकता है, जब तक हांडी आग पर नहीं रखी जाती। जीव की देह मानो हांडी है और धन, मान, विद्या, बुद्धि, जाति, कुल आदि मानों दाल, चावल, आलू की तरह हैं।

एक गलत काम जीवन की तपस्या बर्बाद कर सकता है

संकलित
प्रेरणा

प्रसंग के अनुसार एक दिन महावीर स्वामी प्रवचन दे रहे थे और सभी शिष्य सुन रहे थे। प्रवचन के बीच-बीच में कुछ शिष्य प्रश्न भी पूछ रहे थे और महावीर जी उनके उत्तर दे रहे थे। एक शिष्य ने पूछा कि व्यक्ति कब अपने आचरण से गिर जाता है? कौन से काम हैं, जिनकी वजह से पतन होता है? क्या कोई एक काम है या कई ऐसे काम हैं? महावीर स्वामी ने कहा कि मैं उत्तर दूं, उससे पहले यहां बैठे अन्य शिष्य इस प्रश्न का उत्तर दीजिए। स्वामी जी की बात सुनकर एक शिष्य ने कहा कि अहंकार पतन का सबसे बड़ा कारण है। एक ने कहा कि कामवासना से सबकुछ बर्बाद हो जाता है। किसी ने लालच को बड़ी बुराई बताया तो किसी ने गुस्से को पतन का कारण बताया। महावीर जी ने सभी की बात ध्यान से सुनी। फिर पूछा कि बताइए अगर आपके पास एक कमंडल है, उसमें पानी भर दें और उसे नदी में छोड़ दें तो क्या वह डूबा जाएगा? शिष्यों ने कहा कि अगर कमंडल का आकार सही है तो वह डूबेगा नहीं, तैरेगा। महावीर जी ने पूछा कि अगर उसमें छेद कर दिया जाए तो? शिष्यों ने कहा कि फिर तो वह डूब ही जाएगा। महावीर जी बोले कि क्या छेद के आकार से कोई फर्क पड़ेगा? शिष्य बोले कि अगर छेद छोटा होगा तो कमंडल थोड़ी देर से डूबेगा और छेद बड़ा होगा तो जल्दी डूब जाएगा। छेद की वजह से कमंडल जरूर डूब जाएगा। महावीर जी ने कहा कि बस यही बात मैं समझाना चाहता हूं। हमारा शरीर एक कमंडल की तरह ही है और बुराइयां छेद की तरह होती हैं। अगर अवगुण छोटा सा भी हुआ तो हमारा जीवन बर्बाद हो सकता है।

अंतर्मन

आज की पाती

ऊर्जा क्रांति की नई पारदर्शी शुरुआत

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है और इसी दिशा में सिंगापुर की एक यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने ऐसी अल्ट्रा-थिन सोलर सेल विकसित की है, जो आने वाले वर्षों में ऊर्जा उत्पादन की पूरी तस्वीर बदल सकती है। यह तकनीक इतनी पतली है कि इनसान के बाल के 10,000वें हिस्से जितनी मोटाई में भी बिजली पैदा कर सकती है। खास बात यह है कि यह सोलर सेल पारदर्शी और रंगहीन है, इसलिए इसे खिड़कियों, कारों की विंडशील्ड, मोबाइल स्क्रीन, स्मार्ट ग्लास और ऊंची इमारतों के कांच पर आसानी से लगाया जा सकता है। अब तक सोलर ऊर्जा का मतलब बड़े और भारी पैनल माने जाते थे, जिन्हें छतों पर लगाने के लिए पर्याप्त जगह चाहिए होती है। नई तकनीक 'बिल्डिंग इंटीग्रेटेड फोटोवोल्टिक' अवधारणा को नई गति दे सकती है।

- मदन जोशी, बिलासपुर

करंट अफेयर

पाक-चीन संबंधों के 75 वर्ष पूर्ण, जारी होगा स्मारक सिक्का

पाकिस्तान ने चीन के साथ राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 75 पाकिस्तानी रुपये का एक विशेष स्मारक सिक्का जारी करने की घोषणा की है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना के दो साल से भी कम समय में 1951 में पाकिस्तान और चीन ने औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए। पाकिस्तान पहला मुस्लिम राष्ट्र था जिसने बीजिंग के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि यह स्मारक सिक्का 25 मई से देश भर में स्थित उसके बैंकिंग काउंटरों के माध्यम से जनता के लिए उपलब्ध होगा। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''पाकिस्तान और चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, पाकिस्तान सरकार ने 75 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी करने का निर्णय लिया है। यह सिक्का 25 मई, 2026 से एसबीपी बैंकिंग के काउंटरों के माध्यम से आम जनता के लिए उपलब्ध होगा।'' पाकिस्तान और चीन को व्यापक रूप से ''सदाबहार सहयोगी'' के रूप में वर्णित किया जाता है, और दोनों देशों के बीच दशकों से रक्षा, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे और कूटनीतिक मामलों में घनिष्ठ सहयोग है।

ऑफ बीट

सब कुछ कार्बनमुक्त करना असंभव है, लेकिन क्यों

किसी भी सुपरमार्केट में कदम रखते ही आप चारों ओर कार्बन से घिरे होते हैं। यह वह कार्बन नहीं है जिसे जलवायु रिपोर्टों में पीपीएम यानी 'पार्ट्स पर मिलियन' में मापा जाता है, बल्कि यह कार्बन का सबसे ठोस रूप है। शैम्पू की बोतल की पॉलीमर परत, छत की टाइलों के पीछे की इन्सुलेशन, और आपके बैग में प्रयुक्त सिंथेटिक फाइबर... कार्बन ही तो है। ये वस्तुएं जीवाश्म ईंधन युग की अनजानी उपज नहीं हैं। ये इसके दूसरे चरण का हिस्सा हैं, जो जलने जितना स्पष्ट नहीं है लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण है। वैश्विक नेट-जीरो चर्चा लगभग पूरी तरह ऊर्जा तक ही सीमित रही है। यह दृष्टिकोण आवश्यक है, लेकिन इसके पीछे एक मान्यता है, जिसे शायद ही कभी जांचा जाता है: कि जीवाश्म ईंधन से मिलने वाली केवल वही चीज़ महत्वपूर्ण है जो जलने पर ऊर्जा के रूप में निकलती है। वास्तव में, लगभग 15-20 प्रतिशत जीवाश्म ईंधन कभी जलाया ही नहीं जाता। यह आधुनिक जीवन की भौतिक संरचना में बदल जाता है: प्लास्टिक, पॉलीमर, उर्वरक, चिपकने वाले पदार्थ, सॉल्वेंट और सिंथेटिक वस्त्र। जब ये उत्पाद जलाए, अपघटित किए या त्यागे जाते हैं, तो उनका कार्बन वातावरण में लौटता है, जो वैश्विक गर्मी में योगदान देता है। यह योगदान वास्तविक है, बढ़ रहा है, और अधिकांश मुख्यधारा के नेट-जीरो लेखांकन में लगभग पूरी तरह अनुपस्थित है।

ट्रेंड

छात्रों का भविष्य

जब मोदी जी इटली में मिठाइयां बांटते हुए रील बना रहे थे, तब भारत में पेपर लीक से परेशान युवा सड़कों पर उतरकर न्याय की मांग कर रहे थे। क्योंकि एनईईटी पेपर लीक ने लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

ज़हरीली बयानबाज़ी

कांग्रेस की राजनीति अब विचारों से नहीं, बल्कि ज़हरीली बयानबाज़ी से प्रेरित है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा प्रधानमंत्री के विरुद्ध घटिया भाषा का प्रयोग करना, यह दर्शाता है कि कांग्रेस ने न केवल सत्ता खोई है, बल्कि अपने मूल्य भी खो दिए हैं।

- स्मृति ईरानी, पूर्व केंद्रीय मंत्री

महिला सीमा रक्षक

मिशनवंदेमातरम के तहत, बीएसएफ की पहली महिला सीमा रक्षकों ने माउंट एवरेस्ट की चोटी पर तिरंगा फहराकर अदम्य साहस और अटूट संकल्प का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने साबित कर दिया है कि बेटियों की आकांक्षाओं से ऊंची कोई चोटी नहीं होती। आप पूरे देश का गौरव हैं।

- नीतीश कुमार, पूर्व सीएम, बिहार

गैरजिम्मेदाराना बयान

एनटीए अध्यक्ष प्रदीप जोशी ने संसदीय समिति के समक्ष कहा है कि उन्हें एनईटी परीक्षा में पेपर लीक होने की बात पर विश्वास नहीं है। एक ओर तो एनटीए ने परीक्षा रद्द कर दी है, वहीं एनटीए अध्यक्ष ऐसे गैरजिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

रॉयल पत्रिका

ग्राम विकास चौपाल से गांवों तक पहुंचा सुशासन, मुख्यमंत्री ने सुनी आमजन की आवाज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में ग्रामीण विकास और जनसंवाद को नई दिशा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा शुरू किया गया "ग्राम विकास चौपाल" कार्यक्रम अब सुशासन का प्रभावी माध्यम बनता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़, सीकर, अजमेर, जालोर, जयपुर, बांसवाड़ा और डूंगरपुर के विभिन्न गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किए, उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। इस पहल ने गांवों में सरकार के प्रति भरोसा मजबूत किया है। मुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़ के बम्बोरी, सीकर के जाजोद, अजमेर के कड़ैल, जालोर के पंसेरी, जयपुर के ठिकरिया, बांसवाड़ा के चुड़ादा और डूंगरपुर के धम्बोला गांव में चौपाल आयोजित कर किसानों, महिलाओं, युवाओं और पशुपालकों से बातचीत की। उन्होंने गांवों की वास्तविक स्थिति को समझते हुए खेती, पशुपालन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री देर रात तक ग्रामीणों के बीच रहे और गांवों में रात्रि विश्राम कर सुबह-सुबह आमजन से सीधे संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री की इस संवेदनशील कार्यशैली का असर चौपालों में स्पष्ट दिखाई दिया। किसानों ने जैविक और आधुनिक खेती से बढ़ती आमदनी के अनुभव साझा किए, वहीं महिलाओं ने राजीविका योजना से आर्थिक रूप से सशक्त होने की बात कही। युवाओं ने भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और पेपरलीक पर अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। पशुपालकों ने मोबाइल वेटरनरी यूनिट, मंगला पशु बीमा योजना और दुग्ध उत्पादक संबल जैसी योजनाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी बताया।

सीकर के जाजोद गांव में खिलाड़ियों की मांग पर मुख्यमंत्री ने खंडेला में खेल स्टेडियम खोलने की घोषणा की। साथ ही बालिकाओं की विज्ञान संकाय की मांग को तत्काल स्वीकार करते हुए आदेश जारी करवाए। एक वीरांगना की भावनात्मक अपील पर भीलवाड़ा में कार्यरत उनके पुत्र की प्रतिनियुक्ति भी तत्काल प्रभाव से स्वीकृत कर दी गई। अजमेर जिले के कड़ैल गांव में मुख्यमंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। उन्होंने अतिरिक्त बस सेवाएं शुरू करने और बालिका विद्यालय की चारदीवारी निर्माण के निर्देश भी दिए। वहीं जालोर के पंसेरी गांव में सड़कों के उन्नयन, खेल स्टेडियम के लिए भूमि चिन्हीकरण, एनीकट और सब्जी मंडी निर्माण जैसी योजनाओं पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए गए। बांसवाड़ा के चुड़ादा गांव में मुख्यमंत्री ने राजीविका बहनों के लिए सीएलएफ कार्यशाला और पैकेजिंग यूनिट स्थापित करने के निर्देश दिए। सिंचाई और पेयजल के लिए हीरन नदी पर एनीकट निर्माण की बात भी कही गई। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत मिलने पर कुशलगढ़ के खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी के खिलाफ एपीओ कार्रवाई भी की गई। ग्राम विकास चौपाल के दौरान कई विकास कार्यों के लिए तत्काल वित्तीय स्वीकृतियां भी जारी की गईं। मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, मां-बाड़ी केंद्र निर्माण, ट्यूबवेल और विद्यालयों में कक्षा-कक्ष निर्माण जैसे कार्यों को मंजूरी दी गई। साथ ही ग्रामीणों की व्यक्तिगत समस्याओं पर भी संवेदनशीलता दिखाई गई। सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चे के उपचार को ध्यान में रखते हुए एक कार्मिक का स्थानांतरण आदेश भी मौके पर जारी किया गया। मुख्यमंत्री की यह पहल केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का एक व्यापक अभियान बनती जा रही है। चौपालों के माध्यम से सरकार योजनाओं की जमीनी हकीकत जान रही है और ग्रामीणों को भी सीधे अपनी बात रखने का अवसर मिल रहा है। यही कारण है कि ग्राम विकास चौपाल अब राजस्थान में जनसंवाद, संवेदनशील प्रशासन और सहभागी विकास का मजबूत प्रतीक बन चुकी है।

ब्रीफ खबरें

जयपुर : 25 मई से शुरू होगा 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में 25 मई से 5 जून 2026 तक "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026" चलाया जाएगा। अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण, वर्षा जल संग्रहण, जल स्रोतों की सफाई और जल बचत को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला कलक्टर संदेश नायक ने बताया कि 25 मई को जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ अभियान का शुभारम्भ होगा। जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत और शहरी क्षेत्रों में जल स्रोतों, तालाबों, नदियों और जल संग्रहण ढांचों पर स्वच्छता अभियान, श्रमदान और दीप प्रज्ज्वलन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान का सोशल मीडिया के माध्यम से भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस दौरान नदियों, नहरों और बांधों पर पूजन, नहरों व खालों की साफ-सफाई, "कैच द रेन" अभियान, प्रभात फेरी, कलश यात्रा, पीपल पूजन और पौधारोपण जैसे कार्यक्रम होंगे। अभियान के तहत गौशालाओं, पशु चिकित्सालयों और दुग्ध संघों में स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर संगोष्ठियां और विचार-विमर्श कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अनाज मंडी और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर "वंदे गंगा जल सेवा" कार्यक्रम के जरिए लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई, जल परीक्षण अभियान, सड़क किनारे पौधारोपण की तैयारी, जल उपयोग अंकेक्षण और एनर्जी ऑडिट जैसे कार्यक्रम भी होंगे। अभियान के दौरान नए विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया जाएगा। राज्य सरकार का यह अभियान जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

जयपुर में अवैध गैस रिफलिंग पर कार्रवाई, 5 के खिलाफ एफआईआर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की संयुक्त कार्रवाई में जयपुर शहर में अवैध गैस रिफलिंग और कालाबाजारी के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया गया। जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देशन में गठित विशेष प्रवर्तन दल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर 43 घरेलू गैस सिलेंडर, 2 इलेक्ट्रॉनिक कांटे, 1 इलेक्ट्रॉनिक मोटर और 3 बांसुरियां जब्त कीं। विशेष प्रवर्तन दल ने पुलिस के साथ मिलकर शास्त्री नगर, जगतपुरा, दुर्गापुरा, मुहाना मंडी और सुंदर नगर क्षेत्रों में कार्रवाई की। जांच के दौरान कई स्थानों पर घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध रिफलिंग किए जाने की पुष्टि हुई। कार्रवाई के दौरान जगतपुरा क्षेत्र से 25 घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए, जबकि अन्य स्थानों से भी बड़ी मात्रा में सिलेंडर और उपकरण बरामद हुए। इस मामले में कुल 5 व्यक्तियों को संलिप्त पाया गया है, जिनके खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि "ऑपरेशन प्रवर्तन" के तहत अवैध रिफलिंग, भंडारण और गैस कालाबाजारी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने आमजन से भी संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील की है।

AIIMS की तर्ज पर बनेगा राजस्थान का सबसे बड़ा मेडिकल हब

- RIMS में मिलेंगी रोबोटिक और सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा के तहत जयपुर में राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (RIMS) की स्थापना को लेकर राज्य सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। इसी क्रम में शनिवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषज्ञ चिकित्सकों और स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में RUHS को अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित करने को लेकर प्रशासनिक, तकनीकी और कानूनी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। चिकित्सा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना

से जुड़े सभी कार्य चरणबद्ध और तय समयसीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने आधारभूत ढांचे के विस्तार, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, डिजिटल हेल्थ सिस्टम और विशेषज्ञ सेवाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। मंत्री ने कहा कि RIMS राजस्थान में सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नई पहचान बनाएगा। मरीजों को बेहतर और सुगम उपचार उपलब्ध कराने के लिए संस्थान को तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाएगा। उन्होंने RUHS अस्पताल में मानव संसाधन बढ़ाने के निर्देश देते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों की तीन सदस्यीय समिति गठित करने की बात कही। बैठक में विशेषज्ञों ने हाई क्वालिटी क्लिनिकल केयर, विश्वस्तरीय रिसर्च और आधुनिक प्रशासनिक ढांचे को लेकर सुझाव दिए। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप प्रभावी एक्शन प्लान बनाकर तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि RUHS में कई सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं और एडवांस डायग्नोसिस शुरू होने से मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबूलाल गोयल ने बताया कि RIMS को AIIMS दिल्ली की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां चिकित्सा सेवा, शोध और पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षा को नई दिशा मिलेगी। संस्थान में AI आधारित सुविधाएं, डिजिटल हेल्थ सिस्टम और रोबोटिक तकनीकों को भी शामिल किया जाएगा। बैठक में एसएमएस मेडिकल कॉलेज, RUHS और विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भी भाग लेकर संस्थान के विकास को लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

राजस्थान में विलायती बबूल हटाने के लिए चलेगा विशेष अभियान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान सरकार ने प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को मजबूत करने के लिए विलायती बबूल (जूलिफ्लोरा) के संपूर्ण उन्मूलन का बड़ा अभियान शुरू करने की तैयारी की है। इस संबंध में शनिवार को शासन सचिवालय स्थित पंचायती राज सभागार में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने की, जबकि वन मंत्री संजय शर्मा और राज्य मंत्री ओटाराम देवासी भी मौजूद रहे। बैठक में पंचायती राज मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विलायती बबूल के उन्मूलन के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार कर विभागों के समन्वय से प्रभावी अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि यह बाहरी प्रजाति स्थानीय वनस्पतियों को पनपने नहीं देती और अत्यधिक पानी सोखने के कारण पर्यावरणीय संतुलन पर भी असर डालती है। मंत्री ने बताया कि विलायती बबूल की जड़ें करीब 10 मीटर तक फैलती हैं, जिससे आसपास की भूमि और जल संसाधनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने इसकी लकड़ी से कोयला बनाने और उसके प्रभावी ऑक्शन प्लान तैयार करने के भी निर्देश दिए। वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि विलायती बबूल से बने कोयले के परिवहन में यदि टीपी (ट्रांजिट परमिट) की समस्या आती है, तो इसके लिए भारत सरकार के एनजीटी पोर्टल के माध्यम से अनुमति जारी की जा सकती है। बैठक में वन विभाग, पंचायती राज, राजस्व और ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने अभियान की कार्ययोजना, तकनीकी पहलुओं और क्षेत्रवार रणनीति पर सुझाव भी प्रस्तुत किए। सरकार का मानना है कि इस अभियान से स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण, जल संसाधनों की सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

आयुष विभाग की योजनाओं की समीक्षा, राजस्थान बनेगा वेलनेस हब

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयुष विभाग (आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी) की योजनाओं एवं बजट घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, राष्ट्रीय आयुष मिशन, बजट घोषणाओं, भर्ती प्रक्रिया और आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल आयुष मिशन के तहत ई-औषधि पोर्टल से आयुष सेवाओं में पारदर्शिता लाई जाएगी। साथ ही आईएचएमएस पोर्टल के माध्यम से सेवाओं का पूर्ण डिजिटलीकरण और डेटा प्रबंधन को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने सभी योजनाओं और लंबित कार्यों को तय समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान को आयुष सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। इसके साथ ही मेडिकल

टूरिज्म और वेलनेस को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पीपीपी मोड पर आयुष वेलनेस केंद्र विकसित किए जाएंगे, जिससे राजस्थान को वेलनेस हब के रूप में स्थापित किया जा सके। उपमुख्यमंत्री ने हीटवेव को देखते हुए अस्पतालों में दवाओं, चिकित्सकों और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर राज्य, जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक आयोजन करने की बात कही। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत 20 नए पैकेज जोड़े गए हैं और अब तक 84 आयुर्वेद चिकित्सालयों को पैनल में शामिल किया जा चुका है। बजट घोषणाओं के तहत वर्ष 2026-27 में आयुर्वेद के 4 जिला अस्पताल, 30 ब्लॉक इकाइयां, होम्योपैथी के 1 फार्मेसी एवं ड्रग टेस्टिंग लैब तथा यूनानी के 2 जिला अस्पताल स्थापित किए जाएंगे। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि विभाग की 24 बजट घोषणाओं में से 10 पूर्ण हो चुकी हैं, 6 प्रगतिरत हैं और 8 पर कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और प्रचार-प्रसार के जरिए आयुष सेवाओं को आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। बैठक में अधिकारियों ने विश्वास जताया कि आयुष सेवाओं के विस्तार, डिजिटलीकरण और नए वेलनेस केंद्रों के माध्यम से राजस्थान जल्द ही देश में आयुर्वेद और वेलनेस का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाएं : मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026" को जनभागीदारी से जोड़ते हुए व्यापक जन आंदोलन के रूप में चलाने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है, जिसमें गांव-गांव तक लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। मुख्य सचिव ने विशेष रूप से जल संकट वाले जिलों में अभियान को गंभीरता और तेज गति से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला कलेक्टर्स से कहा कि अभियान के तहत तय गतिविधियों और लक्ष्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में उन्होंने रात्रि चौपालों की अवधारणा पर भी जोर दिया। प्रभारी सचिवों और अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे गांवों में रात्रि चौपाल आयोजित करें और प्रत्येक अधिकारी हर माह कम से कम एक रात्रि गांव में प्रवास करे। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को जिलों का दौरा कर अभियान की जमीनी समीक्षा करने और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संरक्षण और जनजागरूकता गतिविधियों को प्रभावी बनाने के लिए संसाधनों का बेहतर उपयोग और लागत दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में पंचायती राज विभाग के आयुक्त एवं शासन सचिव जोगा राम ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि 25 मई से 5 जून तक चलने वाले इस अभियान में राज्यभर में जल स्रोतों की सफाई, पौधारोपण, श्रमदान, रैलियां, वर्षा जल संरक्षण और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्राम पंचायत स्तर तक गतिविधियों की मॉनिटरिंग मोबाइल एप और रियल टाइम रिपोर्टिंग के माध्यम से की जाएगी। अभियान की शुरुआत 25 मई को जल संरक्षण संकल्प के साथ होगी। 1 जून को जल संरक्षण विषयक प्रदर्शनी और तकनीकी कार्यक्रम आयोजित होंगे, जबकि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर अभियान का समापन व्यापक जनभागीदारी गतिविधियों के साथ किया जाएगा। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जबकि संभागीय आयुक्त और जिला कलेक्टर्स वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

प्रतिभा सम्मान समारोह 26 मई 2026 को ठीक 9:00 बजे होगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जनरल सेकरेट्री डॉ. एफ. एच.गौरी ने बताया कि इंटेक्लेच्युअल मुस्लिम सोसाईटी द्वारा मुस्लिम बच्चों को शिक्षा एवं देश के विकास में भागीदारी के प्रोत्साहन हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह 10 वीं एवं 12 वीं में 85% प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित एवं प्रोत्साहन किया जायेगा। जिसमें समारोह के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर एवं अध्यक्षता जिला पुलिस अधीक्षक की होगी। विशिष्ठ अतिथि- सुनील कुमार एडिशनल एसपी, डॉ. मोहर सिंह मीणा उपनिदेशक, शिक्षाविद-अभिलाषा भाटी की रहेगी। सोसाइटी के अध्यक्ष शोकत अली खान न झारिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयुब खान एवं कोषाध्यक्ष आरिफ खान प्रिसीपल ओर संरक्षक हाजी याकूब थीम ने तैयारियों का जायजा लिया एवं आवश्यक इंतजाम के लिए साइड निरीक्षण किया। स्थान - मदरसा दारुल उलूम जयपुर रोड, सुबह 9 बजे, 26 मई 2026 को सम्पन्न होंगा।

चम्बल अभयारण्य में बजरी माफिया पर बड़ा प्रहार:

392 मामले दर्ज, सैकड़ों गिरफ्तारियां और सख्त कार्रवाई जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य क्षेत्र में अवैध रेत/बजरी खनन, भंडारण और परिवहन पर राजस्थान पुलिस ने निर्णायक कार्रवाई करते हुए सख्त अभियान छेड़ रखा है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर वर्ष 2025 से "जीरो टॉलरेंस नीति" के तहत लगातार दबिश दी जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) वी.के. सिंह ने बताया कि धौलपुर और करौली जिलों में अप्रैल 2026 तक कुल 392 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इनमें से 342 मामलों में जांच पूरी कर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किए जा चुके हैं, जबकि शेष मामलों में तफ्तीश जारी है। पुलिस ने अवैध बजरी कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए केवल वाहन चालकों पर

ही नहीं, बल्कि वाहन मालिकों को भी सह-आरोपी बनाया है। अब तक 195 मामलों में चालक और मालिक दोनों को नामजद किया गया है। इसके साथ ही 70 आदतन अपराधियों की पहचान की गई है, जो बार-बार इस अवैध धंधे में शामिल पाए गए।

धौलपुर में तेज और प्रभावी कार्रवाई

धौलपुर के पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के अनुसार जिले में 353 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 306 मामलों में चालान कोर्ट में पेश हो चुके हैं। पुलिस ने 187 मामलों में वाहन मालिक और चालक दोनों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 37 मामलों में संगठित अपराध की धाराएं जोड़ी गई हैं और अवैध संपत्ति जब्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

करौली में भी लगातार शिकंजा

करौली पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल के नेतृत्व में 76 मामले दर्ज कर 124 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अब तक 361 टन अवैध बजरी जब्त की गई है और 102 वाहन सीज किए जा चुके हैं। पुलिस ने चम्बल क्षेत्र के गांवों में जागरूकता अभियान भी चलाया है और लोगों से अपील की है कि वे अवैध खनन की सूचना तुरंत पुलिस को दें। प्रशासन ने साफ किया है कि अब ऐसे मामलों में वाहन जब्ती, रजिस्ट्रेशन निरस्तीकरण और राजसात जैसी कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद और अधिक तेज किया गया है, जिसका उद्देश्य चम्बल क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, नदी तंत्र की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत करना है।

जेएलएन अस्पताल में 2 करोड़ के आधुनिक उपकरण शुरू

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े राजकीय जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लगभग 2 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से स्थापित अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों का लोकार्पण किया। इन उपकरणों से विशेष रूप से नेत्र रोग विभाग में मरीजों को आधुनिक और सटीक उपचार सुविधा स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगी। अस्पताल में शुरू किए गए उपकरणों में ग्रीन लेजर मशीन, ओसीटी रेटिना मशीन, फेको मशीन, ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप, फील्ड एनालाइजर और वीईपी मशीन शामिल हैं। इन तकनीकों के जरिए आंखों से जुड़ी बीमारियों की जांच और इलाज पहले की तुलना में अधिक तेज और प्रभावी होगा। कार्यक्रम में वासुदेव देवनानी ने कहा कि जेएलएन अस्पताल लगातार आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार का उद्देश्य आमजन को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने चिकित्सकों से सेवा भावना के साथ मरीजों का उपचार करने की अपील की। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनिल सामारिया ने नई सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरविंद खर्रे, नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश पोरवाल सहित कई चिकित्सक और कर्मचारी मौजूद रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

ऊकरूंद में श्रीमद् भागवत कथा की गूंज, भक्त प्रहलाद चरित्र सुन श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। ऊकरूंद गांव में चल रहे श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ समारोह में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना हुआ है। यह धार्मिक आयोजन 21 मई से प्रारंभ हुआ, जिसमें प्रतिदिन भगवान के विभिन्न स्वरूपों एवं लीलाओं का मनमोहक वर्णन किया जा रहा है। शनिवार को आयोजित कथा में भक्त प्रहलाद चरित्र का भावपूर्ण वर्णन कथा वाचक आरती शास्त्री द्वारा अपने मुखारविंद से किया गया। कथा के दौरान भक्त प्रहलाद की अटूट भक्ति, सत्य और भगवान के प्रति समर्पण का वर्णन सुन श्रद्धालु भक्ति रस में डूब गए। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजनकर्ता गिरधारी

लाल मीणा ने बताया कि श्रीमद् भागवत सप्ताह की पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन 28 मई, गुरुवार को किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं को सादर आमंत्रित किया गया है। धार्मिक कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं सेवाओं में हेमराज एवं करण सहित कई युवाओं का विशेष सहयोग रहा।

ढिंढोरा: देर रात घर में घुसे चोर, लाखों के जेवर और नकदी लेकर फरार

हनीस शेख

सूरौठ/ढिंढोरा (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला ढिंढोरा पेट्रोल पंप के पास का सामने आया है, जहां बीती रात अज्ञात बदमाशों ने एक मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। जानकारी के मुताबिक ढिंढोरा पेट्रोल पंप के नजदीक रहने वाले गोविंद पुत्र मोहरसिंह जाटव के घर में रात करीब 1 बजे चोर दाखिल हुए। उस वक्त घर के कमरे में गोविंद की पत्नी सुनहरी गहरी नींद में सो रही थीं। चोरों ने मौका देखकर कमरे में रखी आलमारी के ताले तोड़े और उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण व नकदी समेटकर फरार हो गए। पीड़ित परिवार ने बताया कि चोरी हुए सामान में सोने के कुंडल, अंगूठी, चांदी की तोड़ियां, बिछिया, सटका और करीब 7 हजार रुपए नकद शामिल हैं। सुबह परिवार

की नींद खुली तो आलमारी के टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर सभी के होश उड़ गए। घटना की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी हुए सामान की बरामदगी की मांग की है। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से इलाके के लोगों में डर और नाराजगी का माहौल बना हुआ है।

पालीवासियों को मिली बड़ी सौगात:

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पाली-दिल्ली ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहरवासियों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को पाली रेलवे स्टेशन से दिल्ली जाने वाली नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन जयपुर होते हुए दिल्ली पहुंचेगी, जिससे पाली के यात्रियों को राजधानी तक सीधी रेल सुविधा मिल सकेगी। रेल मंत्री के पाली स्टेशन पहुंचने पर कार्यकर्ताओं और आमजन ने जोरदार जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। फूल-मालाएं पहनाकर और साफा बांधकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर रेल मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से ही पाली को जयपुर और दिल्ली से सीधे रेल मार्ग से जोड़ने की बड़ी मांग रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सौगात क्षेत्रवासियों

को दी है। उन्होंने इसके लिए जनता का अभिनंदन करते हुए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। मंच पर पहुंचने के बाद रेल मंत्री ने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सांसद पी पी चौधरी,बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत, पूर्व सांसद पुष्प जैन, सोजत विधायक शोभा चौहान, मारवाड़ विधायक केसाराम, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख तथा जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने रेल मंत्री का स्वागत किया और इसे पाली जिले के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

विधायक भाकर की घोषणा, पानी-बिजली की समस्या का हल नहीं हुआ तो करेंगे भूख-हड़ताल

-विधायक भाकर का हल्ला बोल, उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने विरोध-प्रदर्शन

-दी बड़े आंदोलन की धमकी, लोगों ने मटकियां फोड़ी, प्रशासन ने कहा- स्थिति सुधर रही है

मोहम्मद अली पठान

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। विधायक मुकेश भाकर ने शुक्रवार को यहां उपखंड कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन करते हुए लाडनूं की पानी व बिजली की समस्या के समाधान की मांग की। साथ ही प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर समय रहते उन्होंने जनता को पेयजल और बिजली की आपूर्ति सुचारू नहीं की तो गुरुवार से वे भूख-हड़ताल पर बैठेंगे, जिसमें सरकारी अधिकारियों के कार्यालय समय तक वे बिना जल और भोजन के धरने पर बैठेंगे। उन्होंने प्रशासन को आगाह किया कि यह आंदोलन विशाल रूप धारण करेगा। विधायक भाकर ने तहसीलदार अनिरुद्ध देव पांडेय के साथ पानी व बिजली के अधिकारियों को बुला कर वार्ता भी की और समस्या समाधान की मांग रखी। विधायक के साथ धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर महिलाओं ने भी पहुंच कर मटके फोड़ कर प्रदर्शन किया। गुस्साए लोगों ने सरकार के साथ ही जलदाय विभाग व बिजली विभाग के खिलाफ भी नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान लाडनूं विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में आए ग्रामीण भी एसडीएम कार्यालय पहुंचे और उन्होंने भी पेयजल संकट को लेकर प्रदर्शन किया। अधिकारियों सहित प्रभारी मंत्री पर भी गरजे विधायक लाडनूं शहर में पानी व बिजली की समस्याओं को लेकर शुक्रवार को विधायक मुकेश भाकर ने उपखंड कार्यालय पर हल्ला बोल दिया। विधायक मुकेश भाकर के नेतृत्व में शुक्रवार को उनके समर्थकों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं व अन्य लोगों ने उपखंड कार्यालय का घेराव करते हुए पानी की समस्याओं को लेकर विरोध जताया तथा भाजपा सरकार व प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के खिलाफ जम कर बोले। इस धरने के दौरान विधायक मुकेश भाकर ने कहा कि अगर समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो वे उपखंड कार्यालय के सामने अनशन पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि प्रभारी मंत्री गांवों में अपना स्वागत करवाते और साफे पहनते घूम रहे हैं। इस मौके पर विधायक मुकेश भाकर ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को खूब खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने आरोप लगाया कि लाडनूं शहर में पिछले कई दिनों से पानी की भयंकर समस्या व्याप्त है। शहर के अनेक इलाकों में भीषण पेयजल संकट की समस्या उत्पन्न हो रखी है। अनेक इलाकों में 8 से 10 दिनों के अंतराल से पानी दिया

जा रहा है और जो पानी सप्लाई हो रहा है, वह भी पर्याप्त मात्रा में नहीं दिया जा रहा, जिससे समूचे क्षेत्र की जनता पानी के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम कर रही है। उन्होंने बिजली विभाग द्वारा भी अघोषित रूप से की जा रही बिजली की कटौती को अनुचित बताया और कहा कि भीषण गर्मी का दौर जारी है, इसके बावजूद बिजली विभाग द्वारा घंटों तक बिजली कटौती की जा रही है, जिससे हर वर्ग परेशान है। उनके साथ के लोगों ने कहा कि लाडनूं शहर में पानी की सप्लाई नियमित नहीं होने से शहरवासियों का हाल बेहाल है। शहर में कहीं 15 दिनों से तो कहीं 10 दिनों से एक बार पानी की सप्लाई दी जाती है।

अधिकारियों ने दिलाया समाधान का पूरा भरोसा

इस दौरान मौके पर विधायक व जलदाय विभाग के अधिकारियों के बीच उपखण्ड कार्यालय में बैठक हुई, जिसमे जलदाय विभाग के अधिकारियों ने नहर बंदी के कारण पेयजल की कमी का हवाला देते हुए प्रभावित स्थानों पर शीघ्र पेयजल समस्या का समाधान करने और अत्यधिक संकटग्रस्त क्षेत्रों में टैंकरों से जलापूर्ति किए जाने का आश्वासन दिया। पानी की समस्या को लेकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नहरबंदी के कारण पानी की व्यवस्था बिगड़ी थी। कल से नहर वापस शुरू हो चुकी है और अब व्यवस्था बिल्कुल सुधर जाएगी। अब शहर में पहले की भांति पानी की नियमित सप्लाई की जाएगी। दूसरी तरफ विधायक ने चेतावनी दी है कि अगर पांच दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान विधुत विभाग के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे बिजली विभाग द्वारा बार बार कि जा रही बिजली कटौती एवं कम वोल्टेज से बिजली सप्लाई के विरोध में जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर देखने को मिला, लोगों के गुस्से को देखते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है की जल्द बिजली व्यवस्था सुधार किया जाएगा एंव जहां पर भी कम वोल्टेज से बिजली सप्लाई हो रही है उन क्षेत्रों में बिजली का पावर बढ़ाने के लिए बिजली टांसफार्मर रखा जाएगा एंव तुरंत समाधान किया जाएगा। इस दौरान विधायक मुकेश भाकर के विरोध-प्रदर्शन करने में लाडनूं पंचायत समिति के प्रधान हनुमान राम कासनियां, नगर पालिका के अध्यक्ष रावत खान लाडवाण, उपाध्यक्ष मुकेश खींची, सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष जयराम बुरड़क, पार्षद नौशाद अली सिसोदिया, नदीम बल्खी, कैलाश निठारवाल, दिनेश गोदारा, राजेन्द्र भगारीया, अयूब खान मोयल सहित भारी संख्या में आम जनता के अलावा महिला शक्ति आदि के साथ शहर के नागरिक एवं ग्रामीण क्षेत्र से कई सरपंच व ग्रामीण जनता भी विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

परंपरागत बकरा मंडी रांगनियां मोहल्ले में 24 मई से लगेगी

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम समाज के पर्व ईदुल अजहा को लेकर हर वर्ष लगने वाली बकरा मंडी इस वर्ष भी कुरैशी चौक रांगनियां मोहल्ला व्यापारियों का बास पाली (राज.) व हैदर कालोनी में लगेगी, बकरा मंडी का आयोजन 24 मई रविवार से 27 मई बुधवार तक होगा। यह जानकारी देते हुए असगर कुरैशी ने बताया कि हर वर्ष ईद उल अजहा के पर्व पर बकरा मंडी रांगनियां मोहल्ला में लगाई जाती है जिसमें राजस्थान के अलग-अलग जिलों से हर जाति धर्म के लोग बकरा खरीदने-बेचने के लिए आते हैं।

सादुलपुर की जन आक्रोश सभा में सांसद राहुल कस्वा ने सरकार पर साधा निशाना

-बोले जनता पानी के लिए तरस रही सरकार गहरी नींद में कांग्रेस नेताओं ने निकाय और पंचायत चुनाव में भाजपा को सबक सिखाने का किया आह्वान

मोहम्मद अली पठान

चूरू/सादुलपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य बाजार में कांग्रेस पार्टी की तरफ से विशाल जन आक्रोश जनसभा का आयोजन पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां के सानिध्य में किया गया। सभा के बाद सभी नेता और बड़ी संख्या में लोग पैदल चलते हुए रेलवे स्टेशन होते हुए मिनी सचिवालय पहुंचे और उपखंड अधिकारी को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सभी नेताओं ने उपखंड अधिकारी को कहा कि 10 दिवस में व्यवस्था नहीं सुधरी तो सड़क जाम कर उग्र प्रदर्शन किया जायेगा। भंयकर गर्मी के बीच हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि आज सादुलपुर ही नहीं बल्कि चूरू जिले में पेयजल की भारी किल्लत से लोग बेहाल हैं। हालात इस कदर बेहाल हैं कि लोगों को हजारों रूपये देकर टैंकर डलवाने पड़ रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत्त काम अटके पड़े हैं। जिले में 70 करोड़ का डेविएशन का बजट स्वीकृत नहीं होने से अनेकों टंकिया जुड़ नहीं पा रही हैं, जिससे लोग प्यासे रहने को मजबूर हैं। इसी प्रकार बिजली की भयंकर अघोषित कटौती ने आमजन को बेहाल कर रखा है। कोई सुध लेने वाला नहीं है, जिला प्रशासन और सरकार गहरी नींद में सो रहे हैं और इस हुंकार के माध्यम से हम सब सोये हुए नकारा लोगों को जगाने का काम कर रहे हैं। सांसद ने कहा कि समर्थन मूल्य पर खरीद से लेकर नगरपालिका तक भ्रष्टाचार का आलम है। 2 साल में 6 ईओ बदल चुके हैं, लेकिन काम कुछ हो नहीं पा रहा। शहर में गंदगी के ढेर लगे हैं। सांसद ने चिकित्सा सुविधाओं की बेहाली पर भी सरकार पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के स्वीकृत पदों में से लगभग पद खाली पड़े हैं, जांच मशीनें बंद पड़ी हैं, लेकिन प्रशासन और सरकार सुध नहीं ले रही। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि जनता को उसके

हाल पर छोड़कर कहा जा रहा कि मैलोडी खाओ। कांग्रेस जिलाध्यक्ष और सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल ने कह कि भाजपा सरकार पूरी तरह फैल हो चुकी है। हम सबको लगातार मजबूती से आवाज उठान होगी और आगामी निकाय व पंचायत चुनावों में इनको करारी शिकस्त देकर आईना दिखाना है। पूरी कांग्रेस एकजुट है और चूरू जिले में मजबूती के साथ भाजपा की जनविरोधी नीतियों का मुकाबला करेंगे। तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया ने कहा कि बिजली और पानी के इतने खस्ताहाल किसी सरकार में नहीं देखे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अमरपुरा धाम में एक व्यक्ति पेयजल से फलों का बाग लगा रहा है लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा। महंगाई की मार और आर्थिक मौर्चे पर नरेन्द्र मोदी की विफलता ने जनता की कमर तोड़ने का काम किया है। पीसीसी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि जनता को उसके हाल पर छोड़ दिया गया है। बिजली, पानी की व्यवस्था पूर्णतया पटरी से उतर चुकी है। सरकार में बैठे लोग खामोश हैं और जनता परेशान। जनता कांग्रेस की तरफ उम्मीद के साथ देख रही है, अतः कांग्रेस पार्टी भी चूरू जिले में एकजुट होकर पंचायत और निकाय में विजय हासिल करेगी और जनता के काम होंगे। पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया ने पानी, बिजली की अव्यवस्था के साथ-साथ एमएसपी खरीद में घोटाले को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ छलावा करने वालों को सजा दिलाने का काम करेंगे। सभा को पूर्व विधायक कमला कस्वां, पीसीसी सदस्य अमरसिंह सांगवान, जिला परिषद सदस्य कमला पूनिया व विमला कालवा, वरिष्ठ नेता मोहनलाल आर्य, पूर्व चैयरमैन जगदीश बैरासरिया, रियाजत खान, ब्लॉक अध्यक्ष अशोक पूनिया, करतार टांडी, शीशपाल पूनिया, नाहरसिंह, महेन्द्र सहारण, रामकुमार मुहाल, मोहरसिंह कस्वां, नियाज मोहम्मद ने सम्बोधित किया। संचालन डॉ. कुलदीप पूनिया ने किया।

पाली पुलिस ने लौटाई मुस्कान:

116 गुमशुदा मोबाइल बरामद, मालिकों को किए सुपुर्द

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस ने एक सराहनीय पहल करते हुए गुमशुदा मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को लौटाकर लोगों के चेहरों पर फिर से मुस्कान ला दी। जिला पुलिस की साइबर सेल एवं समस्त थाना पुलिस के संयुक्त प्रयासों से करीब 60 लाख रुपये मूल्य के 116 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए गए। एसपी मोनिका सेन ने बताया कि मोबाइल उपयोग में लगातार बढ़ोतरी के साथ गुमशुदगी और चोरी की घटनाओं में भी इजाफा हुआ है। ऐसे में भारत सरकार के CEIR पोर्टल के माध्यम से आमजन को त्वरित राहत प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निशांत भारद्वाज एवं

जयसिंह तंवर के सुपरविजन में साइबर थाना एवं सभी थानों की टीमों को अधिकाधिक मोबाइल बरामद करने के निर्देश दिए गए। जिला एवं थाना स्तर पर विशेष टीमों का गठन कर प्रतिदिन मॉनिटरिंग की गई। साइबर सेल और थाना पुलिस ने CEIR पोर्टल पर लगातार मेहनत और तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से पिछले एक माह में 116 मोबाइल फोन बरामद कर शिकायतों का सफल निस्तारण किया। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 60 लाख रुपये बताई गई है। मोबाइल सुपुर्दगी समारोह पुलिस कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जहां पुलिस अधीक्षक द्वारा परिवादियों को ससम्मान उनके मोबाइल लौटाए गए। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर लोगों ने पाली पुलिस का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर साइबर अपराधों और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में भी आमजन को जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का मोबाइल चोरी या गुम हो जाए तो तुरंत भारत सरकार के CEIR पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवानी चाहिए, जिससे मोबाइल नेटवर्क में आते ही उसे ट्रेस किया जा सके।

भुज-दिल्ली एक्सप्रेस का संचालन शुरू

संजय रैसवाल

बांदीकुई (रॉयल पत्रिका)। बांदीकुई और आसपास के रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। रेलवे अब भुज-दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित संचालन शुरू करने जा रहा है। यात्री अब सुबह दिल्ली जाकर रात तक वापस लौट सकेंगे। यह ट्रेन शनिवार को भुज से चलकर रविवार सुबह बांदीकुई पहुंचेगी और दिल्ली के लिए रवाना होगी। सोमवार से यह अपने निर्धारित समय पर नियमित चलेगी। शुक्रवार से इसका संचालन जालौर से स्पेशल ट्रेन के रूप में शुरू हो चुका है, जबकि शनिवार से भुज से इसका रेगुलर रन शुरू हो जाएगा। भुज-दिल्ली-भुज ट्रेन में कुल 18 डिब्बे होंगे। इसमें 1 सेकेंड एसी, 3 थर्ड एसी, 8 सेकेंड स्लीपर, 4 जनरल कोच, 1 पावर कार, 1 गार्ड का डिब्बा रहेगा।

सुबह 7:36 बजे आएगी बांदीकुई, वापसी रात को 9:30 बजे:

रेलवे द्वारा जारी किए गए रेगुलर टाइम टेबल में ट्रेन संख्या 19403 भुज - दिल्ली ट्रेन 23 मई को सुबह 11:15 बजे भुज से रवाना हुई। यह अजार, गांधीधाम, बनाठ, भीलड़ी, घनेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरन, जालौर, मोकलसर, समदड़ी, लूनी, पाली मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर होते हुए 24 मई सुबह 7:36 बजे बांदीकुई पहुंचेगी। यहां 7:38 बजे से रवाना होकर अलवर, रेवाड़ी रुकते हुए सुबह 11:45 बजे दिल्ली जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन संख्या 19404 दिल्ली से शाम 4:40 बजे रवाना होकर रात 9:19 बजे बांदीकुई आएगी। यहां दो मिनट का ठहराव करेगी। अगले दिन शाम 7:35 बजे भुज पहुंचेगी।

जयपुर में "विकसित भारत यंग प्रोफेशनल्स राउंड टेबल 2026" का आयोजन

- युवाओं को स्टार्टअप एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में मिलेगा मार्गदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में माय भारत, जयपुर द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद एवं जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (JITO) के सहयोग से "विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग" (VBYLD) पहल के अंतर्गत "विकसित भारत यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल 2026" का आयोजन 25 मई 2026 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज, रामबाग सर्कल, जयपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना, नवाचार आधारित सोच को बढ़ावा देना तथा स्टार्टअप एवं उद्यमिता के क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करना है। कार्यक्रम में विशेषज्ञों एवं युवा प्रोफेशनल्स के साथ भारत को विश्व की स्टार्टअप राजधानी बनाना विषय पर विशेष पैनल चर्चा आयोजित होगी, जिसमें युवाओं को स्टार्टअप इकोसिस्टम, इनोवेशन एवं नेतृत्व विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी दी जाएगी। साथ ही "विकसित भारत @2047" के विज़न को साकार करने हेतु युवाओं की भूमिका पर भी चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के अंतर्गत VBYLD वीडियो स्क्रीनिंग, प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए विचारों की प्रस्तुति, एक्सपर्ट पैनल डिस्कशन, ओपन डायलॉग एवं नवाचार आधारित सुझाव साझा करने जैसे विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में चर्चाओं को दस्तावेजीकृत कर नीति संबंधी सुझाव भी तैयार किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रमुख पैनलिस्ट के रूप में इंडिबनी ग्रुप के नितिन जैन उपस्थित रहेंगे, जो ऑरेंज इकॉनमी बिल्डर, TEDx स्पीकर एवं शार्क टैंक इंडिया से जुड़े अनुभवी उद्यमी हैं। उन्होंने 100 से अधिक स्टार्टअप फाउंडर्स का मार्गदर्शन किया है। इसके अतिरिक्त एसीआईसी वीजीयू फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव कार्यक्रम में अपने विचार साझा करेंगे। वे स्टार्टअप्स को निवेश सुविधा, मेंटरशिप एवं क्षमता विकास के माध्यम से सहयोग प्रदान करने के लिए जाने जाते है। यह कार्यक्रम युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा, जहाँ वे विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपने विचारों को सशक्त बना सकेंगे तथा राष्ट्र निर्माण की दिशा में सकारात्मक योगदान देने हेतु प्रेरित होंगे। यह कार्यक्रम सभी युवाओं के लिए निःशुल्क है एवं इसमें भाग लेने हेतु पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकरण सभी युवा निम्न लिंक के माध्यम से कर सकते हैं: MY Bharat Registration Link: https://mybharat.gov.in/pages/event_detail?event_name=VBYLD-Young-Professional-Roundtables&key=551159217551 आयोजकों ने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

निरंकारी महिला समागम में मातृ शक्ति ने दिया मानवता का संदेश

-कण-कण में शिक्षा, महिला शक्ति से बनेगा घर स्वर्ग: ज्ञान मणि सक्सेना

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की असीम कृपा से जोन 20 बी, जयपुर का जोन स्तरीय निरंकारी महिला समागम आज शुक्रवार को ब्रांच महवा के एक गार्डन में संपन्न हुआ। दोपहर 11 बजे से 2 बजे तक चले इस समागम में मातृ शक्ति ने गीत-संगीत, नुक्कड़ नाटक और कवि दरबार के माध्यम से मानवता, प्रेम और एकता का संदेश दिया। जोनल इंचार्ज सुनील बाली ने बताया कि सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के संदेश से प्रेरित होकर सत्संग की महिलाओं ने दर्जन भर कार्यक्रम प्रस्तुत किए। हिंदी, इंग्लिश और राजस्थानी भाषा में विचार, नुक्कड़ नाटकों और कवि दरबार के माध्यम से मानवीय गुणों से युक्त जीवन जीने का महत्व समझाया गया। महिलाओं ने बताया कि कैसे धैर्य, प्रेम और मातृत्व शक्ति से एक महिला दो घरों को स्वर्ग बना सकती है। सत्संग, सेवा और सिमरन से जीवन में आने वाले अनमोल परिवर्तन को भी दर्शाया गया। संत निरंकारी मिशन के केंद्रीय प्रचारक बहन ज्ञान मणि सक्सेना ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि अध्यात्म और भौतिक ज्ञान को जीवन में शामिल कर इस मानवीय जीवन को सुंदर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमें कण-कण से शिक्षा मिलती है। जिस तरह प्रभु परमात्मा कण-कण में विराजमान हैं, उसी तरह कण-कण में शिक्षा है। सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशन में महिला समागम का आयोजन इसलिए किया जाता है क्योंकि

महिलाएं हमारे समाज और घर की मुख्य धुरी होती हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक ज्ञानवान महिला धैर्य, प्रेम-प्यार और अपनी मातृत्व शक्ति से दो घरों को स्वर्ग बनाती है। यदि हमारे घर सुंदर होंगे, परिवार अच्छे होंगे तो पूरे विश्व में सुंदरता आएगी। आज जहां देश और दुनिया में जाति, धर्म-मजहब के कई भेदभाव हैं, वहीं निरंकारी मिशन का उद्देश्य मानव को मानव से प्यार करना सिखाना है। मिशन विश्व में 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना जागृत कर रहा है, जिससे चारों तरफ एकता नजर आए और आपसी प्रेम बढ़े।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

200 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है कच्चा तेल

नईदिल्ली, एजेंसी। एनर्जी रिसर्च फर्म वुड मैकेंजी की एक रिपोर्ट पूरी दुनिया को डराने वाली है। इस रिपोर्ट की बातें अगर सच हुईं तो भारत पर भी बहुत बड़ा संकट आ सकता है,

जिसका असर आम आदमी से लेकर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। रिपोर्ट कहती है कि अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज लंबे समय तक बंद रहता है, तो कच्चे तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। इससे दुनिया भर में मंदी आ सकती है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने का कारण और रिस्क फरवरी 2026 में शुरू हुए ईरान युद्ध के बाद से ग्लोबल एनर्जी मार्केट में तनाव है। रिपोर्ट के अनुसार, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए सबसे महत्वपूर्ण नाजुक प्वांट है। इसके बंद होने से दुनिया भर की सप्लाई चेन चरमरा सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस समय खाड़ी देशों के 1.1 करोड़ बैरल से अधिक कच्चे तेल और कंडेनसेट का उत्पादन ठप है। साथ ही, वैश्विक एलएनजी सप्लाई का 20 प्रतिशत हिस्सा भी प्रभावित हो रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और उसकी बड़ी ऊर्जा जरूरतें खाड़ी क्षेत्र से पूरी होती हैं। ऐसे में अगर कच्चा तेल 200 डॉलर तक पहुंचता है तो पेट्रोल-डीजल महंगे हो सकते हैं। इसका असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा और हर चीज महंगी हो सकती है। डॉलर के मुकाबले लगातार गिर रहे रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। इसके अलावा सरकार का सब्सिडी बोझ भी बढ़ सकता है। वुड मैकेंजी के प्रमुख अर्थशास्त्री पीटर मार्टिन के अनुसार, 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ग्लोबल एनर्जी मार्केट में सबसे महत्वपूर्ण चोकपॉइंट है और इसका लंबे समय तक बंद रहना एक ऊर्जा संकट से कहीं अधिक होगा। यह जितनी देर तक बंद रहेगा, ऊर्जा की कीमतों, औद्योगिक गतिविधियों, ट्रेड और वैश्विक आर्थिक विकास पर उतना ही अधिक असर पड़ेगा'।

31 मई से पहले आईटीआर भरना पड़ सकता है भारी

नईदिल्ली, एजेंसी। इनकम टैक्स रिटर्न भरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और बहुत से लोग जल्दी रिफंड पाने के लिए फाइल कर भी दिए होंगे या करने की तैयारी में होंगे। अगर आप भी ऐसा करने की सोच रहे हैं तो रुकिए! चार्टर्ड एकाउंटेंट 31 मई से पहले इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने से मना कर रहे हैं।

सीए अभिनंदन पांडेय ने बताया कि 31 मई से पहले जल्दबाजी में भरना बाद में परेशानी का सबब बन सकता है। इसकी सबसे बड़ी वजह जरूरी डॉक्यूमेंट्स और इनकम डिटेल्स का पूरी तरह अपडेट न होना है। क्यों जरूरी है इंतजार करना सीए संतोष मिश्रा की मानें तो फाइल करते समय सबसे अहम दस्तावेजों में और शामिल होते हैं। टीडीएस फाइलिंग का लास्ट डेट 31 होता है। कंपनियों के पास फार्म 16 जारी करने के लिए 15 दिन का समय रहता है। हालांकि, 31 मई के बाद से ही यह में दिखना शुरू हो जाता है। टैक्सपेयर्स की सारी इन्फार्मेशन जैसे और 31 मई के बाद से ही दिखने लगेगी।

31 मई से पहले आईटीआर फाइल करने से क्या नुकसान होगा सीए अजय बगड़िया बताते हैं कि अगर इन दस्तावेजों के अपडेट होने से पहले रिटर्न फाइल कर दिया जाए, तो इनकम और टैक्स डिटेल्स में मिसमैच हो सकता है। बाद में यही गलती नोटिस, रिवाइज्ड रिटर्न या रिफंड में देरी की वजह बनती है। उन्होंने बताया कि कई टैक्सपेयर्स सिर्फ सैलरी की जानकारी के आधार पर आईटीआर भर देते हैं। बाद में पता चलता है कि बैंक ब्याज, स्रष्ठ से हुई कमाई, शेयर बाजार से आय या अन्य निवेश की जानकारी छूट गई है।

पांच देशों की यात्रा और 3.85 लाख करोड़, पीएम मोदी की ट्रिप ने खोला भारत में पैसा आने का रास्ता

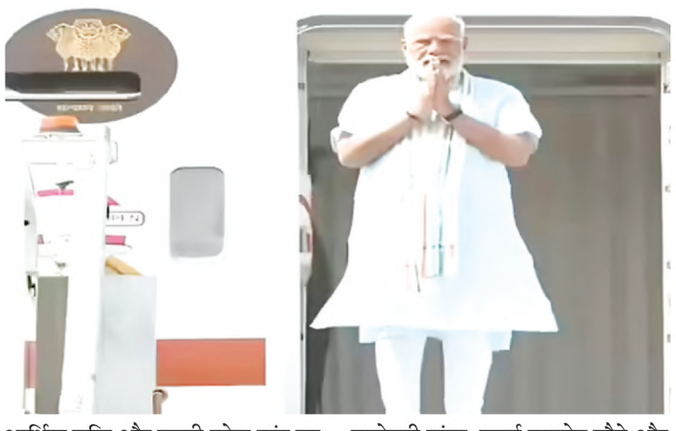

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की पांच देशों की यात्रा से भारत को लगभग 40 अरब डॉलर (करीब 3.85 लाख करोड़) की इन्वेस्टमेंट पाइपलाइन हासिल करने में मदद मिली है। इसमें कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने प्रमुख क्षेत्रों में नए निवेश और विस्तार योजनाओं का वादा किया है। अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने 50 से अधिक ग्लोबल कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ बैठकें कीं। इनमें सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र शामिल थे।

कई कंपनियों की पहले से ही बड़ी उपस्थिति: इन कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 2.7 ट्रिलियन डॉलर से 3 ट्रिलियन डॉलर के बीच होने का अनुमान है।

इनमें से कई कंपनियों की भारत में पहले से ही बड़ी उपस्थिति है। देश में उनका कुल निवेश और व्यावसायिक विस्तार लगभग 180 अरब डॉलर होने का अनुमान है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि कई कंपनियां अब भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और बढ़ती घरेलू मांग का लाभ उठाने के लिए अपने परिचालन का विस्तार करने की योजना बना रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, प्रमुख घोषणाओं में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भारत में लगभग 5 अरब डॉलर के नए निवेश का वादा किया है।

पीएम मोदी की पांच देशों की यात्रा में यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली शामिल थे। इस दौरान भारत ने कई समझौते किए और कई देशों के साथ अपने संबंधों को अपग्रेड किया। पीएम मोदी के यूएई प्रवास के दौरान भारत-यूएई ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें एक रणनीतिक रक्षा साझेदारी ढांचा, ऊर्जा सहयोग सौदे और गुजरात के वाडिनार में एक प्रस्तावित समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना शामिल थी। यूएई ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर और वित्तीय क्षेत्रों में भी 5 अरब डॉलर के निवेश का वादा किया।

नीदरलैंड के साथ 17 समझौते: भारत और नीदरलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया। व्यापार, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, हरित हाइड्रोजन और समुद्री सुरक्षा को कवर करने वाला एक रोडमैप जारी किया। इस यात्रा के चलते 17 समझौते भी हुए। इनमें महत्वपूर्ण खनिजों, रिन्यूएबल एनर्जी और रक्षा निर्माण में सहयोग शामिल था। भारत और स्वीडन ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया। इसमें दोनों देशों ने 2026-2030 के लिए एक संयुक्त कार्य योजना का समर्थन किया। इसका मुख्य जोर ग्रीन ट्रांजिशन, इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, व्यापार, रक्षा और क्लाइमेट एक्शन पर था।

इस यात्रा का एक प्रमुख परिणाम इटली में सामने आया। वहां पीएम मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच बातचीत के बाद भारत-इटली ने अपने संबंधों को 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक अपग्रेड किया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इटली की बहुत ही सफल यात्रा पूरी हुई। प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ मेरी चर्चाओं में कई अलग-अलग क्षेत्रों को शामिल किया गया।' उन्होंने आगे कहा कि इन बेहतर संबंधों से द्विपक्षीय सहयोग को 'नई रफ्तार' मिलेगी। भारत और इटली ने रक्षा उत्पादन, महत्वपूर्ण खनिजों, हायर एजुकेशन, समुद्री सहयोग, जलवायु अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा और आयुर्वेद जैसे क्षेत्रों में समझौते किए।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का मुनाफा चौथी तिमाही में 46% उछला

मुंबई, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 2026 के वित्तीय नतीजों की घोषणा करते हुए मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का चौथी तिमाही का राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 1,895 करोड़ रुपये रहा, जबकि ऑपरेटिंग एबिटा 46 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 365 करोड़ रुपये पहुंच गया। कंपनी का कर पश्चात लाभ (पीएटी) 361.7 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के अनुसार, जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में कुल बिक्री वॉल्यूम 7 प्रतिशत बढ़कर 3.99 मिलियन टन हो गया। सीमेंट बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 2.35 मिलियन टन रही, जबकि जीजीबीएस बिक्री 5 प्रतिशत बढ़कर 1.57 मिलियन टन पहुंची। तिमाही के दौरान ऑपरेटिंग एबिटा मार्जिन बढ़कर 19.3 प्रतिशत हो गया, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 14.6 प्रतिशत था। पूरे वित्त वर्ष 2026 में कंपनी की कुल वॉल्यूम बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 13.96 मिलियन टन रही। वार्षिक राजस्व 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,512 करोड़ रुपये पहुंचा, जबकि ऑपरेटिंग एबिटा 44 प्रतिशत बढ़कर 1,240.3 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का समायोजित कर पश्चात लाभ 667.6 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। निदेशक मंडल ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर पर 0.50 रुपये लाभांश की सिफारिश की है। कंपनी ने बताया कि अगस्त 2025 में उसका आईपीओ सफलतापूर्वक एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध हुआ। वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने राजस्थान के नागौर में अपने पहले उत्तर भारतीय ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड सीमेंट प्लांट में उत्पादन शुरू किया। इस यूनिट में 3.3 एमटीपीए क्लिंकर क्षमता और शुरुआती 2.5 एमटीपीए ग्राइंडिंग क्षमता है। कंपनी ने नागौर यूनिट में अतिरिक्त 2.5 एमटीपीए ग्राइंडिंग क्षमता विस्तार को भी मंजूरी दी है, जिसके लिए 430 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में 1,962 करोड़ रुपये का कैपेक्स खर्च किया। साथ ही, असम के दिमा हसाओ जिले में सिकिलांगसो लाइमस्टोन ब्लॉक्स के लिए उसे 'पसंदीदा बोलीकर्ता' घोषित किया गया है। सस्टेनेबिलिटी के मोर्चे पर कंपनी ने दावा किया कि वित्त वर्ष 2026 में उसका कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन उद्योग में सबसे कम, 268 किलोग्राम सीओ2 प्रति टन सीमेंटिशियस मटेरियल रहा।

सैमसंग और गूगल ने नए इंटेलिजेंट आईवियर का पहला लुक जारी किया

सियोल, कोरिया, एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड और गूगल ने आज गूगल आई/ओ 2026 में नए इंटेलिजेंट आईवियर (स्मार्ट चश्मों) का अनावरण किया। कंपनी ने जेंटल मॉन्स्टर और वार्बी पार्कर जैसे प्रसिद्ध आईवियर पार्टनर्स के साथ मिलकर बनाए गए दो प्रीमियम स्टाइल के स्मार्ट चश्मों का पहला लुक पेश किया।

यह नए स्मार्ट चश्मे मोबाइल फोन के साथी डिवाइस के रूप में काम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इनमें वॉइस इंटरैक्शन के जरिए मदद लेने और फोन से सहज तरीके से कनेक्ट होने की सुविधा है, सब कुछ एक जाने-पहचाने फॉर्म फैक्टर में।

आईवियर पार्टनर्स के साथ मिलकर बनाए गए यह स्मार्ट चश्मे एआई की अभूतपूर्व क्षमताओं को आराम और स्टाइल के साथ जोड़ते हैं। इसमें सैमसंग की हार्डवेयर इंजीनियरिंग में नेतृत्व क्षमता, गूगल की एआई टेक्नोलॉजी और प्रीमियम आईवियर डिज़ाइन को एक साथ मिलाया गया है। दोनों आईवियर

ब्रांड्स ने इस डिवाइस के लिए अलग-अलग डिज़ाइन दृष्टिकोण अपनाया है। फैशन आईवियर में अपनी विरासत के लिए प्रसिद्ध जेंटल मॉन्स्टर ने हलचल मचाने वाले लेकिन रिफाइंड स्टाइल पेश किए हैं, जबकि वार्बी पार्कर ने रिफाइंड और कालातीत डिज़ाइन प्रस्तुत किए हैं।

यह नए स्मार्ट चश्मे यूजर्स के साथ रियल-टाइम में दुनिया को समझने के लिए बनाए गए हैं और रोजमर्रा के कामों में हाथ बिना लगाए और सिर ऊपर रखकर मदद करते हैं। यूजर्स बस आवाज में जेमिनाई से बोलकर रास्ता पूछ सकते हैं, चलते हुए पास की कॉफी शॉप जैसे पर्सनलाइज्ड सुझाव पा सकते हैं या पिकअप के लिए ऑर्डर भी दे सकते हैं। यूजर्स जरूरी मैसेज की संक्षिप्त जानकारी भी पा सकते हैं और कैलेंडर में इवेंट भी जोड़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें रियल-टाइम अनुवाद की सुविधा है जिसमें ऑडियो बोलने वाले की आवाज से मेल खाता है, साथ ही मेन्यू या साइनबोर्ड पर लिखे टेक्स्ट का अनुवाद नजर की सीध में ही हो जाता है। गैलेक्सी इकोसिस्टम के साथ सहज तालमेल के साथ यह डिवाइस यूजर्स को रोज के काम आसानी से निपटाने या फोटो खींचने में मदद करता है, बिना फोन निकाले।

नमो भारत की 8 एक्स्ट्रा ट्रेन ट्रिप्स, पीक आवर्स में होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। एनसीआरटीसी शुक्रवार (22 मई, 2026) से पीक आवर्स के दौरान आठ अतिरिक्त नमो भारत ट्रेन ट्रिप्स की शुरुआत कर रही है। यात्री सुविधा में इजाफा करने और दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर यात्रा सेवा की बढ़ती मांग को पूरा करने के मकसद से यह फैसला लिया गया है। ये अतिरिक्त सेवाएं यात्रियों को अधिक ट्रेन सर्विस प्रदान कर स्टेशनों पर होने वाली भीड़ को प्रबंधित करने और कॉरिडोर पर सार्वजनिक परिवहन की पहुंच को और मजबूत करने में मदद करेंगी। इस पहल से वैश्विक ऊर्जा अनिश्चितताओं के बीच निजी वाहनों पर निर्भरता को कम करने में सहायता मिलेगी। साथ ही सार्वजनिक परिवहन के और अधिक उपयोग को प्रोत्साहन भी मिलेगा। एनसीआरटीसी की यह पहल सतत और कुशल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के व्यापक नजरिये के अनुरूप है। इस संशोधित शेड्यूल के तहत सुबह 8 बजे से 11 बजे के बीच और शाम 5 बजे से 7 बजे के बीच पीक आवर्स में सराय काले खां से मेरठ साउथ स्टेशनों के बीच आठ अतिरिक्त ट्रेन ट्रिप्स उपलब्ध होंगी। ये अतिरिक्त सेवा देने के लिए दो और ट्रेनें कॉरिडोर पर ऑपरेट की जाएंगी। दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर हाल ही में यात्रियों की संख्या में अत्यधिक बढ़ोतरी देखी गई है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन लगभग एक लाख पैसेंजर इसमें सफर कर रहे हैं। परिवहन के पसंदीदा साधन के रूप में यात्रियों की ओर से नमो भारत को दी जा रही प्राथमिकता, क्षेत्रीय परिवहन के एक विश्वसनीय और आरामदायक साधन के रूप में इस पर बढ़ते हुए विश्वास को दिखाता है। रेल प्रणाली के रूप में नमो भारत को तेज रफ्तार से विश्वसनीय और आरामदायक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। अपनी 160 किमी प्रति घंटे की अधिकतम परिचालन रफ्तार के साथ यह इस क्षेत्र में यात्रा समय को लगभग एक तिहाई तक कम कर देती है।

स्टार्ट-अप संस्कृति और उद्यमशीलता के दम पर 'इम्प्रेशन ऑफ ए सेंचुरी' की अमिट छाप के साथ एस्सेल ग्रुप ने पूरे किए 100 शानदार वर्ष

मुंबई, एजेंसी। भारत के बहुआयामी कारोबारी समूहों में शुमार एस्सेल ग्रुप ने अपनी वैश्विक यात्रा के 100 स्वर्णिम वर्ष पूरे कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 1926 में आदमपुर जैसे छोटे से शहर से शुरू हुई यह यात्रा आज दुनिया भर में विविध कारोबारों में अपनी मजबूत पहचान रखने वाले विशाल समूह के रूप में स्थापित हो चुकी है। बीती एक सदी में एस्सेल ग्रुप ने अपने नवाचार, दूरदृष्टि और उद्यमशीलता की भावना से वैश्विक स्तर पर एक स्थायी छाप छोड़ी है। 1967 के बाद एस्सेल ग्रुप ने पारंपरिक कारोबार से आगे बढ़ते हुए खुद को स्टार्ट-अप संस्कृति वाले वैश्विक समूह के रूप में स्थापित किया। कमोडिटी ट्रेडिंग से शुरू हुआ कारोबार आगे चलकर आर्मी सप्लाई और सीमापार व्यापार तक पहुंचा। इसके बाद समूह ने ऐसे कई क्षेत्रों में कदम रखा, जहां उसने उद्योग जगत में पहली बार नई पहल करते हुए नए मानक स्थापित किए। स्टार्ट-अप सोच और लाभप्रदता पर स्पष्ट फोकस बनाए रखते हुए समूह ने उन व्यवसायों को बंद करने से भी परहेज नहीं किया, जो अपेक्षित स्तर पर मूल्य सृजन नहीं कर पा रहे थे। स्वर्गीय राम गोपाल जी द्वारा स्थापित इस समूह को उनके पुत्र श्री जगन्नाथ जी गोयनका ने आगे बढ़ाया। श्री नंद किशोर जी के सहयोग और बाद में दूरदर्शी उद्योगपति डॉ. सुभाष चंद्र एवं उनके भाइयों ङ्क लक्ष्मी नारायण, जवाहर और अशोक गोयल ङ्क के नेतृत्व में एस्सेल ग्रुप नई ऊंचाइयों तक पहुंचा। आज यह देश के चुनिंदा कारोबारी समूहों में शामिल है, जिसकी समृद्ध विरासत सफलतापूर्वक छठी पीढ़ी तक पहुंच रही है।

टाटा मोटर्स फाउंडेशन का इंटीग्रेटेड विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम देशभर के करीब 200 गांवों तक पहुंचा

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स फाउंडेशन ने अपने प्रमुख इंटीग्रेटेड विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम को देशभर के करीब 200 गांवों तक बढ़ा दिया है। यह कार्यक्रम अब 5 राज्यों की 103 ग्राम पंचायतों में चल रहा है और देश के आदिवासी तथा कृषि-प्रधान क्षेत्रों में सामुदायिक भागीदारी के जरिए ग्रामीण विकास को गति दे रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान इस कार्यक्रम से 1.15 लाख से अधिक लोगों को लाभ मिला। साथ ही, करीब 20 करोड़ रुपये मूल्य की 50 सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के साथ तालमेल बनाकर जमीनी स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था और संस्थागत ढांचे को मजबूत किया गया।

यह कार्यक्रम 2018 में महाराष्ट्र के पालघर जिले के आदिवासी क्षेत्र जव्हार की एक ग्राम पंचायत से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुआ था। समय के साथ यह ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभरा है। आईवीडीपी का उद्देश्य केवल बुनियादी

ढांचा तैयार करना नहीं, बल्कि गांवों को इस स्तर तक सशक्त बनाना है कि वे सरकारी योजनाओं और सार्वजनिक संसाधनों का प्रभावी ढंग से लाभ उठा सकें। कार्यक्रम स्थानीय संस्थाओं को मजबूत करने, दस्तावेजी प्रक्रियाओं की कमियों को दूर करने और गांवों की प्रशासनिक क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देता है, ताकि विकास की प्रक्रिया लंबे समय तक जारी रह सके। महाराष्ट्र के पालघर जिले में इस मॉडल के सकारात्मक नतीजे देखने को मिले हैं। कार्यक्रम से जुड़े गांवों में मौसमी पलायन 80त्न से घटकर 25 प्रतिशत रह गया है। किसानों की आय में 55त्न तक बढ़ोतरी हुई है, जबकि बच्चों में कुपोषण के मामलों में 95त्न की कमी दर्ज की गई है। आईवीडीपी 2.0 के तहत महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से अब 82 ग्राम पंचायतों में तकनीक-आधारित मॉडल पर काम किया जा रहा है। इसका उद्देश्य कार्यक्रम को केवल लागू करने तक सीमित रखने के बजाय एक नीतिगत और दीर्घकालिक बदलाव लाने वाले मॉडल के रूप में विकसित करना है।

टाटा मोटर्स फाउंडेशन के सीईओ विनोद कुलकर्णी ने कहा, करीब 200 गांवों तक पहुंच चुका यह कार्यक्रम सरकारी योजनाओं, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप और सामुदायिक भागीदारी की ताकत को दिखाता है।

माजा के 50 स्वर्णिम साल: आम के लिए भारत के प्यार को बोतल में संजोया

मुंबई, एजेंसी। कोका-कोला इंडिया ने भारत को आम का असली स्वाद देने वाले माजा के 50 साल पूरे होने का जश्न मनाया। 1976 में अपनी शुरुआत के बाद से, माजा शानदार स्वाद, बचपन की यादों और खास भारतीय पलों की अपनी मजबूत विरासत के दम पर, आम के प्रलत भारतीयों के प्यार के साथ गहराई से जुड़ गया है। पांच दशकों से माजा गर्मियों की दोपहरों और पारिवारिक समारोहों से लेकर रोजमर्रा के छोटे-छोटे जश्न तक, हर पीढ़ी के साथ एक जाना-पहचाना नाम बना हुआ है। समय के साथ यह ब्रांड एक पेय से कहीं आगे बढकर, घर में पैदा होने वाले आम के उस मजे का पर्याय बन चुका है जो आज भी सुकू न देने वाला और यादगार महसूस होता है। जैसे-जैसे माजा इस उपलब्धि का जश्न मना रहा है, यह उत्सव ब्रांड यात्रा तक सीलमत नहीं है। यह 50 साल की लवरासत उस बड़े इकोलसस्टम को भी सम्मान देती है लजसने माजा को वों में आकार दिया है, भारतीय खेतों के र्ल से लेकर उन उपभोक्ताओं तक लजन्होंने बर्ि को अपने जीवन का लहस्सा बनाया

और हर घूंट के पीछे मौजूद उन अनलगनत हाथों तक। कोका-कोला इंडिया और दलिण-पलिम एलशया में माके टटंग, न्यूरिशन की सीनियर डायरेक्टर, सुनैनिका सिंह ने कहा, माजा ने आधी सदी भारतीयों के जीवन, अलमारियों और यादों में अपनी जगह बनाने में लबताई है। यह गर्मियों की छुरियों और पारिवारिक समारोहों में, रविवार के लंच के बाद त्योहारी व्यंजनों में, ऐसे पलों में मौजूद रहा है जो टोटो खींचने के ललए बहुत छोटे हैं लेदकन भूलने के ललए बहुत अच्छे हैं। जो चीज माजा0 को असाीरण बनाती है

माजा0 ने उस स्वाद और अनुभव से जुड़े रहते हुए बदलते समय के साथ लवकलसत होना जारी रखा है लजसने इसे हर घर का पसंदीदा बना ददया। ताजा मैंगो, माजा0 मैंगो जैसे प्रलतलित अलभयानों से लेकर माजा0 हो जाए जैसे सांस्कृ लतक रूप से गूंजने वाले अलभयानों तक, बर्ि ने लगातार उपभोक्ताओं के आम के प्रलत स्थायी प्यार और रोजमर्रा की सजंदगी को

ओप्पो इंडिया ने भारत में फाईंड एक्स9एस और फाईंड एक्स9 अल्ट्रा लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। आज ओप्पो इंडिया ने भारत में फाईंड एक्स9एस और फाईंड एक्स9 अल्ट्रा का लॉन्च किया। इसके साथ ही कंपनी के फ्लैगशिप स्मार्टफोन पोर्टफोलियो का विस्तार हुआ है, जो क्रिएटर्स को एडवांस्ड इमेजिंग, ए.आई अनुभव और फ्लैगशिप परफॉर्मेंस प्रदान करता है। ओप्पो फाईंड एक्स9एस सनसेट ऑरेंज, लैवेंडर स्काई और मिडनाईट ग्रे कलर्स में, तथा फाईंड एक्स9 अल्ट्रा टुंड्रा अंबर और केनयन ऑरेंज रंगों में उपलब्ध है। ये दोनों स्मार्टफोन 28 मई से ओप्पो ई-स्टोर, फ्लिपकार्ट, अमेज़ॉन और मेनलाईन रिटेल स्टोर्स से खरीदे जा सकेंगे। गोल्डी पटनायक, हेड, कम्युनिकेशंस, ओप्पो इंडिया ने कहा, ''ओप्पो में हम इनोवेशन के लिए अपना ध्यान इस पर केंद्रित करते हैं कि लोग अपनी डिवाईस का इस्तेमाल कैसे करते हैं। फाईंड एक्स9 अल्ट्रा हमारी सबसे आधुनिक इमेजिंग टेक्नोलॉजी पेश करता है, वहीं फाईंड एक्स9एस में ज्यादा स्लिम और लाईटवेट डिवाईस में वही फ्लैगशिप डीएनए दिया गया है। ये

दोनों स्मार्टफोन भारत में प्रीमियम स्मार्टफोन के यूज़र्स की बदलती अपेक्षाओं को प्रदर्शित करते हैं। इनसे बाजार में फ्लैगशिप अनुभव पेश करने पर हमारा लगातार फोकस प्रदर्शित होता है।''साल 2026 की पहली तिमाही के लिए आईडीसी द्वारा जारी की गई वर्ल्डवाईड क्वार्टर्ली मोबाईल फोन ट्रैकर रिपोर्ट के अनुसार, ओप्पो ने साल-दर-साल 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो सर्वोच्च 5 ब्रांडों में सबसे अधिक है। इससे भारत में सर्वोच्च तीन स्मार्टफोन ब्रांड्स में ओप्पो की स्थिति मजबूत हुई है और इसका बाजार अंश बढ़कर 15.3 प्रतिशत हो गया है। इस तेजी से ओप्पो की ग्राहक केंद्रित इनोवेशन की फिलॉसफी प्रदर्शित होती है, जिसने ओप्पो को भारत में प्रीमियम स्मार्टफोन ब्रांड्स में से एक के रूप में स्थापित कर दिया है। इसमें 50 मेगापिक्सल का 10एक्स ऑप्टिकल जूम टेलीफोटो कैमरा है, जिसमें 230 मिमी-ईक्विवेलेंट टेलीकन्वर्टर बिल्ट-इन है, तथा इसे ओप्पो का प्रोप्रायटरी क्विंटुपल प्रिज़्म पेरिस्कोप स्ट्रक्चर संचालित करता है। यह 200 मेगापिक्सल के मुख्य और 200 मेगापिक्सल के 3एक्स टेलीफोटो कैमरा के साथ काम करते हुए 14 मिमी से 460 मिमी तक की फोकल रेंज प्रदान करता है। इस सेटअप में एक 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाईड कैमरा, नया ट्रू कलर कैमरा और 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा भी शामिल है। इस सिस्टम को ओप्पो का लुमो इमेज इंजन सपोर्ट करता है और डायनामिक रेंज एवं डिटेल बढ़ा देता है। वहीं हैसेलब्लैड मास्टर, पोर्टेऊर और एक्सपैन मोड क्रिएटिव फ्लेक्सिबिलिटी और हैसेलब्लैड का सिग्नेचर इमेजिंग अनुभव प्रदान करते हैं। फाईंड एक्स9 अल्ट्रा वीडियोग के लिए 60 एफपीएस पर 4के रिकॉर्डिंग, 120एफपीएस डॉल्बी विज़न एचडीआर को सपोर्ट करता है। इसमें ओप्पो के फ्लैगशिप स्मार्टफोंस में पहली बार 30एफपीएस पर 8के रिकॉर्डिंग पेश की गई है। ओ-लॉग2, एसेज़ और 3डी लुट्स रियल-टाईम प्रिव्यू एवं लुट बर्न-इन के साथ प्रोफेशनल वर्कफ्लो को सपोर्ट करते हैं।

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार

सान्विका

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया।' अभिनेत्री से जब पूछा गया कि 'पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?' इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, 'मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। 'सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।' उन्होंने कहा, 'इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है। 'आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, 'आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।'

कुणाल ठाकुर

ने पुरुषों की मानसिक सेहत पर रखी अपनी बात बोले - कमजोरी नहीं, ताकत है संवेदनशील होना

कुणाल ठाकुर इन दिनों 'हूज़ योर गायनाक?' में डॉ. अर्थ धमेचा के किरदार से दर्शकों का दिल जीत रहे हैं। इसके साथ ही वह पुरुषों की मानसिक सेहत और समाज में पुरुषों को अपनी भावनाएं दबाने की सीख देने वाली सोच पर भी खुलकर अपनी बात रख रहे हैं। अपने विचारों और बातचीत के जरिए कुणाल पुरुषों को मजबूत दिखने के दिखावे के बजाय अपनी भावनाओं को स्वीकारने और संवेदनशीलता को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस विषय पर खुलकर बात करते हुए कुणाल ने कहा, 'संवेदनशील होना वास्तव में सबसे बड़ी ताकत है। और मैं यह सिर्फ इसलिए नहीं कह रहा, क्योंकि मैं एक अभिनेता हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि अभिनेता बनने के बाद मैंने समझा कि इंसान एक बेहतर व्यक्ति कैसे बन सकता है। लोगों की भावनाओं से कैसे सीखा जा सकता है, वे जीवन में कैसे आगे बढ़ना चाहते हैं, कौन-से सबक छोड़कर जाना चाहते हैं या क्या सीखकर आगे बढ़ना चाहते हैं। संवेदनशीलता ही असली ताकत है, और कुछ नहीं। 'एक ऐसे समाज में जहां पुरुषों से अक्सर भावनात्मक रूप से मजबूत और अप्रभावित दिखने की उम्मीद की जाती है, कुणाल का यह नजरिया भावनात्मक ईमानदारी और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को सामने लाता है। संवेदनशीलता, सहानुभूति और आत्म-जागरूकता जैसे विषयों पर खुलकर बात कर अभिनेता पुरुषत्व से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे रूढ़िवादी विचारों को चुनौती दे रहे हैं और पुरुषों की मानसिक सेहत पर स्वस्थ बातचीत को बढ़ावा दे रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में कुणाल ठाकुर ने एनिमल, कबीर सिंह और द ट्रायल सीज़न 2 जैसे प्रोजेक्ट्स में यादगार भूमिकाओं के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई है। वहीं 'हूज़ योर गायनाक?' के साथ वह अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ ईमानदारी, गहराई और सहज अभिनय के जरिए दर्शकों से मजबूत जुड़ाव भी बना रहे हैं।

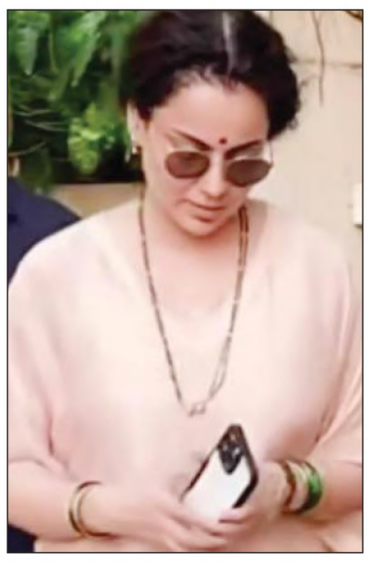

मंगलसूत्र और हरी चूड़ियों में दिखीं कंगना रनौत गुपचुप शादी की खबरों पर एक्ट्रेस ने दी सफाई

बोलीं- शूटिंग लुक था सीक्रेट मैरिज नहीं करूंगी

एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनोट का हाल ही में एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में कंगना मांग में सिंदूर, गले में मंगलसूत्र और हाथों में हरी चूड़ियां पहने नजर आ रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद फैंस के बीच कंगना के गुपचुप शादी करने की अफवाहें चल रही हैं। हालांकि, यह उनके किसी असल शादी का लुक नहीं है। अब कंगना ने खुद इस अफवाह पर सफाई दी है। कंगना का यह पारंपरिक लुक उनकी आने वाली फिल्म 'क्वीन 2' की शूटिंग का हिस्सा है, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। कंगना ने कहा है की वे गुपचुप शादी नहीं करेंगी। कंगना ने इन अफवाहों पर स्पष्टीकरण देते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा 'मैं हर दिन शहर में और उसके आसपास शूटिंग कर रही हूं, किसी ने कैरेक्टर मेकअप के साथ यह रैंडम तस्वीर क्लिक कर ली और अब मुझे इतने सारे फोन कॉल्स आ रहे हैं , लेकिन शादीशुदा महिला के लुक में ऐसी क्या बड़ी बात है? एक्टर्स हर तरह के रोल निभाते हैं, मैं गुपचुप शादी नहीं करूंगी, मैं वादा करती हूं ।

पूजा भट्ट ने शेयर की आमिर के साथ पुरानी तस्वीर, फैंस से किया 'पूरी कहानी' सुनाने का वादा

अभिनेत्री और फिल्ममेकर पूजा भट्ट ने पुरानी यादें ताजा करते हुए अभिनेता आमिर खान के साथ पुराने फोटोशूट की तस्वीर शेयर की। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इस तस्वीर के पीछे की कहानी को लेकर सस्पेंस बनाया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीर को मशहूर फोटोग्राफर गौतम राजाध्यक्ष ने खींची थीं। इन तस्वीरों में आमिर खान और पूजा भट्ट सफेद कपड़ों में कैमरे के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री शेयर करते हुए लिखती हैं, 'किसी न किसी दिन मैं इन अचानक से ली गई तस्वीरों के पीछे की कहानी जरूर बताऊंगी। ये तस्वीरें गौतम राजाध्यक्ष के ह्यूज रोड स्थित बड़े घर की बालकनी में ली गई थीं, लेकिन अभी नहीं...आपको थोड़ा इंतजार करना होगा। बता दें कि पूजा भट्ट और आमिर खान ने साथ में दो फिल्में, 'दिल है के मानता नहीं' और 'पहला नशा', जैसी फिल्मों में साथ काम किया था। साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'दिल है के मानता नहीं' को पूजा के पिता महेश भट्ट द्वारा निर्देशित किया गया था इसमें पूजा के साथ आमिर खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी हिट साबित हुई थी। वहीं, 'पहला नशा' 1993 की बॉलीवुड मिस्ट्री-थ्रिलर फिल्म थी, जिसे निर्देशक आशुतोष गोवारिकर ने निर्देशित किया था। यह बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म थी। फिल्म में दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट, रवीना टंडन और परेश रावल अहम भूमिका में थे। इस फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण यह था कि इसमें पहली बार सुपरस्टार आमिर खान और शाहरुख खान एक साथ एक ही फ्रेम में नजर आए थे। उनके अलावा सैफ अली खान, जूही चावला और राहुल रॉय ने भी फिल्म में विशेष भूमिकाएं निभाई थीं।

शेखर सुमन का फिल्म इंडस्ट्री पर तीखा हमला

दिग्गज अभिनेता शेखर सुमन ने मौजूदा बॉलीवुड और आज के फिल्मकारों की सोच पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हिंदी सिनेमा में अब वैसी मौलिकता और गंभीर सोच नहीं बची, जैसी पहले राज कपूर, गुरु दत्त और बिमल रॉय के दौर में देखने को मिलती थी। शेखर ने आरोप लगाया कि आज के निर्देशक सिर्फ हिट फॉर्मूलों की नकल करने में लगे हैं और रचनात्मकता लगातार खत्म होती जा रही है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान शेखर सुमन ने कहा कि तकनीकी रूप से भारतीय सिनेमा आज दुनिया में किसी से कम नहीं है, लेकिन मौलिकता के मामले में काफी पीछे रह गया है। उन्होंने कहा, आज के एक्टर्स अपनी तय इमेज में बंधकर रह गए हैं और निर्माता-निर्देशक आर्थिक दबावों के कारण जोखिम लेने से डरते हैं। वे सिर्फ हिट फॉर्मूला फिल्मों पर निर्भर हो गए हैं। शेखर ने आगे कहा कि आज के फिल्मकारों में के आसिफ, गुरु दत्त, बिमल रॉय और राज कपूर जैसी ओरिजिनल सोच की कमी साफ नजर आती है। अभिनेता ने कहा कि पुराने दौर की 'मुगल-ए-आजम', 'गंगा जमना', 'कागज के फूल', 'प्यासा' और 'मेरा नाम जोकर' जैसी फिल्में आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं, क्योंकि वे पूरी तरह मौलिक और भावनात्मक रूप से मजबूत थीं। उनके मुताबिक, आज फिल्मों को रचनात्मक रूप से खूबसूरत बनाने से ज्यादा उन्हें व्यावसायिक रूप से सफल बनाने पर जोर दिया जा रहा है। बता दें कि शेखर सुमन इन दिनों अपने नए टॉक शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर भी चर्चा में हैं, जिसकी स्ट्रीमिंग हाल ही में शुरू हुई है।

'शेल्टर कहां, इंफ्रास्ट्रक्चर कहां?' बेजुबानों के लिए सामने आईं

सोनम बाजवा

अभिनेत्री सोनम बाजवा ने स्ट्रे डॉग्स के मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से खास अपील की है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सोनम बाजवा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्ट्रे डॉग्स के बड़े पैमाने पर सफाए का कोई आदेश नहीं दिया है। उन्होंने सीएम मान से अनुरोध किया कि इस मुद्दे पर फिर से विचार करें और बेजुबान जानवरों के प्रति दया और इंसानियत का रवैया अपनाएं। सोनम बाजवा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मुख्यमंत्री भगवंत मान जी, सुप्रीम कोर्ट ने स्ट्रे डॉग्स को एक साथ हटाने का आदेश नहीं दिया। कोर्ट ने संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों से नियमित रूप से हटाने की बात कही है, जिसमें स्टेरिलाइजेशन, वैक्सीनेशन और शेल्टरिंग शामिल है, न कि सड़कों से कुत्तों को पूरी तरह हटा देने की।' अभिनेत्री ने सवाल उठाते हुए पूछा, 'शेल्टर कहां हैं? इंफ्रास्ट्रक्चर कहां है?' उन्होंने कहा कि यह सिस्टम बेजुबान जानवरों के लिए मौत की सजा नहीं बन सकता। सोनम ने स्पष्ट किया कि पब्लिक सेफ्टी और इंसानी जिंदगी जरूर महत्वपूर्ण है, लेकिन दया और जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है। सोनम ने मुख्यमंत्री से दिल से गुजारिश की, 'प्लीज इस तरीके पर फिर से सोचें और इस मुद्दे में दया और इंसानियत वाला हल चुनें।' सोनम ने सुझाव दिया कि सीएम भगवंत मान जानवरों की भलाई के लिए काम करने वाले एनजीओ, पशु चिकित्सकों, स्थानीय अधिकारियों और पब्लिक सेफ्टी एक्सपर्ट्स को एक साथ बिठाकर एक व्यावहारिक, इंसानी और संवेदनशील समाधान निकालें। उन्होंने आगे लिखा, 'हम बेजुबानों के साथ जैसा व्यवहार करते हैं, उससे आखिरकार पता चलता है कि हम एक समाज के तौर पर कौन हैं। 'बता दें कि स्ट्रे डॉग्स से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया। जिसके अनुसार, कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों से स्ट्रे डॉग्स को हटाने के अपने फैसले को बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किए जाने के कारण समस्या और गंभीर होती जा रही है। कोर्ट ने चिंता जताते हुए कहा कि स्ट्रे डॉग्स के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और यह अब बेहद गंभीर समस्या बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को एबीसी कार्यक्रम को सख्ती से लागू करने और स्ट्रे डॉग्स की आबादी नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए थे।

(साभार एजेंसी)

'बीसीसीआई को घरेलू क्रिकेट खत्म कर देना चाहिए'

आकिब नबी के न चुने जाने पर भड़का भारत का पूर्व चयनकर्ता

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता दिलीप वेंगसरकर ने अगले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भारत की टीम चुनते समय जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को नजरअंदाज करने के लिए अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अगर चयन का मानक घरेलू क्रिकेट नहीं है तो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को घरेलू क्रिकेट खत्म कर देना चाहिए।

आकिब नबी ने 2025-26 रणजी ट्रॉफी सत्र में 10 मैचों में 12.56 के शानदार औसत से 60 विकेट लेकर सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे और जम्मू-कश्मीर को उनका पहला रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया।

वेंगसरकर भड़के

वेंगसरकर ने कहा, 'अगर घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन कोई मानक नहीं है, तो बीसीसीआई को घरेलू क्रिकेट खत्म कर देना चाहिए। आप किसी गेंदबाज को उसकी विकेट लेने की काबिलियत के आधार पर चुनते हैं। वह 130 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकता है, लेकिन जरूरी बात उसकी विकेट लेने की काबिलियत है। इस लड़के ने विकेट लेने में जबरदस्त निरंतरता दिखाई है। उसे तैयार करने का यह सही समय था। जब कोई खिलाड़ी फॉर्म में होता है तो आप उसे वहीं मौका देते हैं।

अभी नबी की हालत क्या होगी?

टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में दिलीप वेंगसरकर ने आकिब नबी को लेकर कहा, 'चयनकर्ताओं का उन्हें नजरअंदाज करने का फैसला बिल्कुल अजीब और हैरान करने वाला है। यह किस तरह का चयन है? यह बिल्कुल मंजूर नहीं है। यह नाइंसाफी है। क्या आप सोच सकते हैं कि अभी नबी की हालत क्या होगी? उन्होंने रणजी ट्रॉफी में 60 विकेट लिए हैं। उन्होंने इसके लिए बहुत मेहनत की है और वह बाकी सबसे आगे रहने के हकदार हैं।'

'तुम घिनौने हो, यह पत्रकारिता नहीं'

आपत्तिजनक पोस्ट पर भड़कीं सारा तेंदुलकर, पापाराजी अकाउंट को लगाई फटकार

नई दिल्ली। महान भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर ने एक फोटोग्राफर/पापाराजी को उसके बॉडी-शेमिंग वाले कमेंट्स के लिए जमकर फटकार लगाई। सारा तेंदुलकर ने पापाराजी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने और बॉडी-शेमिंग का आरोप लगाया। पापाराजी की पोस्ट में सारा तेंदुलकर के साथ उनकी भाभी (अर्जुन तेंदुलकर की पत्नी सानिया) का भी जिक्र किया गया था। मुंबई के एक पापाराजी ने सारा तेंदुलकर और उनकी भाभी सानिया चंडोक का एयरपोर्ट पर आते हुए वीडियो शेयर किया था। वीडियो में बस दोनों को टर्मिनल में घुसते हुए दिखाया गया था, लेकिन पापाराजी के आपत्तिजनक कैप्शन ने ऑनलाइन हंगामा खड़ा कर दिया और सारा समेत नेटिजंस की आलोचनाओं का सामना किया।

दरअसल, सोशल मीडिया पर एक रील वायरल हुई थी, जिसमें सारा तेंदुलकर और सानिया चंडोक को लेकर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। इस पोस्ट को देखने के बाद सारा तेंदुलकर ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिये अपनी नाराजगी जाहिर की।

सारा तेंदुकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में उस वीडियो का एक हिस्सा साझा करते हुए लिखा, ''@tahirjasus तुम घिनौने हो। यह पत्रकारिता नहीं है। हमें अकेला छोड़ दो।'' इतना ही नहीं सारा तेंदुलकर ने संबंधित अकाउंट को टैग करते हुए आगे लिखा, ''तुम अपनी पोस्ट डिलीट कर सकते हो, लेकिन इससे तुम कम घिनौने साबित नहीं हो पाओगे।'' बताया जा रहा है कि विवाद बढ़ने के बाद उस पापाराजी अकाउंट ने पोस्ट हटा दी। हालांकि, सारा तेंदुलकर की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है और कई लोग उनके समर्थन में सामने आए हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को लगातार ट्रोलिंग और बॉडी-शेमिंग का सामना करना पड़ता है, लेकिन निजी सीमाओं और सम्मान का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

सारा तेंदुलकर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और लोकप्रिय भी। वह अक्सर फैशन, लाइफस्टाइल और सार्वजनिक कार्यक्रमों को लेकर चर्चा में रहती हैं। हालांकि, इस बार उन्होंने निजी मर्यादा को लेकर खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है।

प्रोफेशनल फ्रंट पर सारा सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन (स्स्स्न) में डायरेक्टर की भूमिका निभा रही हैं।

गुजरात ने 89 रन जीता मैच

हार के साथ चेन्नई का सफर समाप्त

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने अपने घरेलू मैदान पर यानी अहमदाबाद में चेन्नई सुपर किंग्स को शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर की अर्धशतकीय पारी और इसके बाद मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा और राशिद खान की घातक गेंदबाजी के दम पर 89 रन से हरा दिया। ये गुजरात की 14 लीग मैचों में 9वीं जीत रही तो वहीं इस हार के बाद सीएसके का प्लेऑफ में पहुंचने का सपना टूट गया और ऋतुराज गायकवाड़ की टीम का सफर समाप्त हो गया। सीएसके अब प्लेऑफ की रेस से मुंबई और लखनऊ के बाद बाहर होने वाली तीसरी टीम बन गई। आईपीएल 2026 के 66वें मैच में गुजरात टाइटंस का सामना चेन्नई सुपर किंग्स के साथ नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में हुआ। इस मुकाबले में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गुजरात ने पहले बैटिंग करते हुए कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर की अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बनाए और चेन्नई को जीत के लिए 230 रन का लक्ष्य मिला। इसके जवाब में चेन्नई की टीम ने 13.4 ओवर में 140 रन ही बनाए। मोहम्मद सिराज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

शुभमन गिल,साई व बटलर के अर्धशतक

गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने सीएसके के खिलाफ 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और 64 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन ने भी 35 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और 84 रन बनाकर आउट हो गए। राहुल तेवतिया खाता भी नहीं खोल पाए और रन आउट हो गए। जोस बटलर ने 23 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और वो 27 गेंदों पर 57 रन की पारी खेल कर नाबाद रहे। सुंदर ने 7 रन पर अपना विकेट गंवा दिया जबकि सीएसके के लिए मुकेश चौधरी, स्पेंसर जॉनसन और अंशुल कंबोज ने एक-एक विकेट लिए।

संजू सैमसन डक पर आउट- सीएसके के ओपनर संजू सैमसन खाता भी नहीं खोल पाए और डक पर आउट हो गए जबकि कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 16 रन पर विकेट गंवा दिया जबकि उर्विल पटेल भी खाता नहीं खोल पाए तो वहीं मैथ्यू शॉर्ट ने 24 रन पर अपना विकेट गंवा दिया। कार्तिक शर्मा 19 रन बनाकर रन आउट हो गए। शिवम दुबे ने 17 गेंदो पर 47 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज 19 रन पर रन आउट हुए जबकि ब्रेविस ने 8 रन बनाए। गुजरात के लिए कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान ने 3-3 विकेट लिए।

मलेशिया मास्टर्स 2026

मालविका बंसोड़ टूर्नामेंट से बाहर, चालिहा से उम्मीदें जिंदा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलेशिया मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की स्टार शटलर मालविका बंसोड़ का सफर दूसरे दौर में खत्म हो गया। कुआलालंपुर में खेले गए मुकाबले में उन्हें डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लाइन कजर्सफेल्ट के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय खिलाड़ी अस्मिता चालिहा ने शानदार जीत दर्ज कर भारत की उम्मीदों को कायम रखा।

पहला गेम जीतने के बाद मैच गंवा बैठीं मालविका - विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर मौजूद मालविका बंसोड़ ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहले गेम में आक्रामक खेल दिखाते हुए 21-16 से जीत हासिल की और मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। पहले गेम के दौरान मालविका ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और इंटरवल तक 11-6 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने लगातार दबाव बनाए रखते हुए गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम में बदला मैच का रुख - पहला गेम हारने के बाद डेनमार्क की लाइन कजर्सफेल्ट ने जोरदार वापसी की। दूसरे गेम में उन्होंने शुरुआती आठ अंक लगातार जीतकर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। मालविका इस दबाव से उबर नहीं सकीं और दूसरा गेम 21-8 से गंवा बैठीं।निर्णायक गेम में एक समय मालविका 11-8 से आगे थीं, लेकिन इसके बाद कजर्सफेल्ट ने लगातार अंक जुटाते हुए मुकाबला 21-15 से अपने नाम कर लिया।

अश्मिता चालिहा ने बढ़ाया भारत का मान - दूसरी ओर अश्मिता चालिहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया की स्टार खिलाड़ी गोह जिन वेई को सीधे गेमों में हराया। अश्मिता ने मुकाबला 21-13, 21-16 से जीतकर महिला एकल वर्ग में भारत की चुनौती जिंदा रखी। गोह जिन वेई दो बार की जूनियर विश्व चैंपियन और 2018 यूथ ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट रह चुकी हैं, ऐसे में अश्मिता की यह जीत बेहद खास मानी जा रही है।

देविका सिहाग और पुरुष युगल जोड़ी भी बाहर - भारत की देविका सिहाग को महिला एकल के दूसरे दौर में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त चेन युफेई के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। चेन ने यह मुकाबला 21-16, 21-13 से जीता। वहीं पुरुष युगल में भारत की आखिरी उम्मीद एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसकारुनन की जोड़ी भी हारकर बाहर हो गई। चीनी जोड़ी हू केयुआन और लिन शियांगयी ने भारतीय खिलाड़ियों को 21-14, 21-15 से हराया।

आंखों में आंसू, जीत का यादगार जश्न

41 साल की उम्र में चैंपियन बने रोनाल्डो का दिखा ऐसा अंदाज

सऊदी (एजेंसी)। आंखों से टपकते आंसू, चेहरे पर सुकून और जीत की खुशी। गुरुवार को अल नासर के सऊदी प्रो लीग का खिताब जीतने के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो का अलग ही अवतार मैदान पर देखने को मिला। रोनाल्डो ने दो गोल दागे, मैदान से बाहर जाते हुए भावुक हुए और फिर अनोखे अंदाज में जीत का जश्न भी मनाया। 41 साल की उम्र में चैंपियन बने रोनाल्डो को देखकर ऐसा लगा कि मानो किसी युवा खिलाड़ी ने अपने करियर में पहली बार ट्रॉफी जीती हो।

2023 में अल नासर से जुड़े थे रोनाल्डो - जनवरी 2023 में अल नासर क्लब से जुड़े रोनाल्डो ने पहली बार टीम को चैंपियन बनाया। दमैक के खिलाफ अल नासर ने 4-1 से जीत दर्ज करते हुए सऊदी प्रो लीग का खिताब अपने नाम किया। टीम के इस खिताबी सफर में रोनाल्डो का रोल काफी अहम रहा। दमैक के खिलाफ भी पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी ने फ्री किक पर एक गोल किया, जबकि दूसरा गोल गोलकीपर को छकाते हुए दागा। इस लीग में रोनाल्डो ने कुल 28 गोल किए।

भावुक हो गए थे क्रिस्टियानो रोनाल्डो - मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले रोनाल्डो जब मैदान से बाहर जाने लगे, तो तमाम फैंस ने अपनी सीटों पर खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाईं। यह पल रोनाल्डो को भावुक कर गया, और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। डगआउट में पहुंचने के बाद भी रोनाल्डो अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर सके और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो में फूट-फूटकर रोते हुए दिखाई दिए। हालांकि, ये आंसू खुशी के थे, क्योंकि इस ट्रॉफी को पाने के लिए रोनाल्डो ने अल नासर की ओर से खेलते हुए तीन साल से ज्यादा समय का इंतजार किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान पूरे देश का सम्मान है: हरभजन सिंह

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार ऑफ स्पिनर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह 'बिलियनेयर्स फॉर पीस कॉन्क्लेव' कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मुंबई में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन में समाज में शांति की स्थापना करने वालों को सम्मानित करने के लिए किया गया था। इसमें हरभजन सिंह का भी नाम था। हरभजन ने कार्यक्रम के आयोजकों की प्रशंसा की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री को इटली में मिले एग्रीकोला पदक को उन्होंने देश का सम्मान बताया। मीडिया से बात करते हुए हरभजन सिंह ने कहा, 'समाज की बेहतरी के लिए काम करने वालों को सम्मानित करना बेहतरीन काम है। समाज में शांति के लिए काम करने वाले और भी लोग चाहिए। यहां आकर और सम्मानित होकर अच्छा लग रहा है। मैं इन लोगों के साथ रहूंगा और अपने स्तर से जो भी बेहतर हो सकेगा, करूंगा।' दुनिया में बढ़ महंगाई पर हरभजन ने कहा, 'मौजूदा समय में विश्व तेल और सोने की बढ़ती कीमतों की वजह से परेशान है। इस परेशानी की वजह दुनिया में शांति का न होना है। अगर ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध नहीं होता, तो ये समस्याएं नहीं होतीं। उम्मीद करते हैं कि जल्द से जल्द इस समस्या का शांतिपूर्ण समाधान निकलेगा और महंगाई की समस्या से दुनिया को निजात मिलेगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली दौरे के दौरान 'एग्रीकोला पदक' से सम्मानित किया गया है।

हरभजन सिंह ने कहा कि पीएम का सम्मान देश का सम्मान है। हमें इस पर गर्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली यात्रा के दौरान वहां की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को उपहार स्वरूप चॉकलेट दी थी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसकी आलोचना करते हुए कहा था कि देश कई समस्याओं से जूझ रहा है और प्रधानमंत्री चॉकलेट दे रहे हैं। इस पर हरभजन सिंह ने कहा कि विपक्ष का काम हर बात की आलोचना करना है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा। अगर ये लोग बहुत काबिल थे, तो जब उनके पास सत्ता थी, उस समय काम क्यों नहीं किए। पश्चिम बंगाल के मदरसों में वंदे मातरम को अनिवार्य किए जाने के सवाल पर हरभजन ने कहा, 'मुझे लगता है कि सिर्फ पश्चिम बंगाल ही नहीं बल्कि देश के हर हिस्से में वंदे मातरम गाया जाना चाहिए।'

युवराज सिंह के नाम है IPL के एक सीजन में दो हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड

132 मैचों ने नहीं लगा पाए थे एक भी शतक

नई दिल्ली। युवराज सिंह एक शानदार बल्लेबाज थे जो गेंदबाजी भी कर लेते थे। युवी को आमतौर पर एक बेहतरीन बल्लेबाज के रूप में जाना जाता है, लेकिन वो कई बार बेहतरीन गेंदबाजी भी कर लेते थे जो मैच को पटलने का काम करता था। युवराज सिंह का इंटरनेशनल स्तर पर प्रदर्शन तो शानदार रहा था, लेकिन आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन प्रभावित करने वाला था। युवराज ने इस लीग में वो कमाल किया था जो अन्य कोई खिलाड़ी अब तक तो नहीं कर पाया है, लेकिन ये कमाल उन्होंने बतौर बल्लेबाज नहीं बल्कि बतौर गेंदबाज किया था।

एक सीजन में दो हैट्रिक लेने वाले गेंदबाज थे युवराज सिंह

युवराज सिंह को आज भी आईपीएल में एक ऐसे रिकॉर्ड के लिए याद किया जाता है जो इस लीग में खेलने वाले की दिग्गज बॉलर्स तक नहीं कर पाए।

युवी इस लीग के एक सीजन में दो बार हैट्रिक लेने वाले इकलौते गेंदबाज हैं और उनका ये रिकॉर्ड अब तक कोई नहीं तोड़ पाया है। युवराज सिंह ने आईपीएल में ये कमाल साल 2009 में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के लिए खेलते हुए किया था।

युवराज सिंह ने किया था 6 टीमों का प्रतिनिधित्व

युवराज सिंह ने अपने 12 साल के आईपीएल करियर में 6 टीमों का प्रतिनिधित्व किया था और वो एक टीम के साथ कभी लंबे वक्त तक खेलते हुए नहीं दिखे थे। साल 2008 में सबसे पहले वो किंग्स इलेवन पंजाब के साथ जुड़े थे और शुरुआत में इस टीम के लिए उन्होंने कप्तानी भी की थी, लेकिन फिर वो इस टीम से निकल गए। इसके बाद उन्होंने पुणे वॉरियर्स इंडिया, आरसीबी, दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), सनराइजर्स हैदराबाद और आखिर में उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए खेला।

आईपीएल में कभी शतक नहीं लगा पाए युवराज

युवराज सिंह का आईपीएल करियर काफी लंबा रहा और इस दौरान उन्होंने कुल 132 मैच खेले। इन मैचों में उनके बल्ले से एक भी शतक नहीं निकला हालांकि उन्होंने 13 अर्धशतक जरूर लगाए और उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में 83 रन का रहा। युवराज सिंह का स्ट्राइक रेट आईपीएल में 129.71 का रहा जबकि उनका औसत इस दौरान 24.77 का रहा। युवी ने 132 मैचों में इस लीग में 217 चौके और 149 छक्के भी लगाए जबकि इन मैचों में उन्होंने 36 विकेट भी लिए और उनकी बेस्ट गेंदबाजी 29 रन देकर 4 विकेट रहा था।

पोलैंड में 5,000 और सैनिक भेजेंगे ट्रंप यूरोप में अमेरिकी उपस्थिति को लेकर भ्रम

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका पोलैंड में 5,000 और सैनिक भेजेगा जिससे ट्रंप और उनके प्रशासन द्वारा यूरोप में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को कम करने के बारे में हफ्तों से बदलते बयानों के बाद भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले कहा था कि वह यूरोप में सैनिकों की संख्या लगभग 5,000 तक कम कर रहा है और अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की थी कि लगभग 4,000 सैनिक अब पोलैंड में तैनात नहीं हैं। ट्रंप की सोशल मीडिया घोषणा से यूरोपीय सहयोगियों के लिए अनिश्चितता और बढ़ गई जो इन बदलावों से प्रभावित हुए हैं क्योंकि इससे पूर्व अमेरिकी प्रशासन उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सदस्यों पर अपनी रक्षा का पर्याप्त भार नहीं उठाने और ईरान युद्ध में समर्थन देने में विफल रहने की शिकायत कर चुका है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा, पोलैंड के वर्तमान राष्ट्रपति करोल नवरोकी के सफल चुनाव के आधार पर और उनके साथ हमारे संबंधों को देखते हुए, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका पोलैंड में अतिरिक्त 5,000 सैनिक भेजेगा। कुछ दिन पहने चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने कहा था कि ईरानी नेतृत्व द्वारा अमेरिका का अपमान किया जा रहा है और उन्होंने युद्ध में रणनीति की कमी की आलोचना की थी जिसके बाद ट्रंप और पेंटागन ने कहा था कि वे जर्मनी में तैनात सैनिकों की संख्या घटा रहे हैं। ट्रंप ने फिर महीने की शुरुआत में पत्रकारों से कहा कि अमेरिका 5,000 से कहीं अधिक सैनिकों की संख्या में कटौती करेगा। पिछले सप्ताह तक सेना की दूसरी बख्तरबंद ब्रिगेड कॉम्बैट टीम, पहली कैवलरी डिवीजन के लगभग 4,000 सैनिक पोलैंड के लिए रवाना नहीं हुए थे। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने बताया कि यह तैनाती रद्द करना यूरोप में सैनिकों की संख्या कम करने के ट्रंप के आदेश का पालन करने के प्रयास का हिस्सा था। लंबी दूरी की मिसाइलें दागने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों की जर्मनी में तैनाती भी रोक दी गई। डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों ही पार्टियों के सांसदों ने इन कटौतियों की आलोचना करते हुए कहा कि इससे यूक्रेन में चार साल से जारी युद्ध के दौरान सहयोगियों और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दोनों को गलत संदेश जाएगा।

यूरोप में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती पर ट्रंप के बदले रुख से नाटो सहयोगी हैरान

हेलसिंगबोर्ग (स्वीडन), भाषा। यूरोप से 5,000 अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश देने के महज कुछ ही सप्ताह बाद पोलैंड में इतने ही सैनिक भेजने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले पर नाटो सहयोगियों और रक्षा अधिकारियों ने शुक्रवार को हैरानी जताई है। स्वीडन की विदेश मंत्री मारिया माल्मेर स्टेनरगार्ड ने नाटो देशों के विदेश मंत्रियों की एक बैठक के दौरान संवाददाताओं से कहा, यह वास्तव में भ्रमित करने वाला है और इस स्थिति से निपटना हमेशा आसान नहीं होता। इस बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी शामिल थे। इस फैसले से खुद अमेरिकी रक्षा अधिकारी भी असमंजस में हैं। नाम न छापने की शर्त पर संवेदनशील सैन्य मामलों पर चर्चा करने वाले दो अधिकारियों में से एक ने कहा, हमने पिछले दो सप्ताह का अधिकांश समय पहली घोषणा (सैनिकों की वापसी) के बाद की तैयारियों में बिताया है। हमें भी नहीं पता कि इस नए फैसले का क्या मतलब है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा,मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका पोलैंड में अतिरिक्त 5,000 सैनिक भेजेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पोलैंड के राष्ट्रपति करोल नाव्रोकी के साथ उनके मजबूत संबंधों के कारण लिया गया है, जिनका ट्रंप ने पिछले साल के चुनावों में समर्थन किया था। ट्रंप और उनके प्रशासन द्वारा यूरोप में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को बढ़ाने के बजाय कम करने के हफ्तों के विरोधाभासी बयानों के बाद राष्ट्रपति का यह बदला हुआ रुख सामने आया है। सैनिकों की तैनाती को लेकर समन्वय बनाए रखने के अमेरिकी वादे के बावजूद नाटो सहयोगियों को इस फैसले की भनक तक नहीं लगी। इस महीने की शुरुआत में, ट्रंप प्रशासन ने कहा था कि वह यूरोप में सैनिकों की संख्या में लगभग 5,000 की कटौती कर रहा है, और अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की थी कि लगभग 4,000 सैनिकों को अब पोलैंड नहीं भेजा जा रहा है। वह घोषणा तब की गई थी जब ट्रंप जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ की उस टिप्पणी पर भड़क गए थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरानी नेतृत्व द्वारा अमेरिका को अपमानित किया जा रहा है और युद्ध में रणनीति की कमी की आलोचना की थी।

ब्रिटेन : पूर्व प्रिंस एंड्रयू के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ाने के लिए गवाहों से सामने आने की अपील

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन की पुलिस ने ब्रिटिश शाही परिवार के सदस्य और महाराज चार्ल्स तृतीय के छोटे भाई पूर्व प्रिंस एंड्रयू पर लगे यौन कदाचार सहित विभिन्न आरोपों की विस्तृत जांच के इरादे से शुक्रवार को गवाहों से सामने आने की अपील की। थेम्स वैली पुलिस ने पूर्व प्रिंस (अब एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के नाम से जाने जाते हैं) पर सार्वजनिक पद के दुरुपयोग के आरोपों की जांच के संबंध में एक बयान जारी कर यह अपील की। थेम्स वैली पुलिस के न्यायाधिकार क्षेत्र में लंदन का पश्चिमी हिस्सा आता है, जहां माउंटबेटन-विंडसर कई वर्षों तक रहे थे। माउंटबेटन-विंडसर को 19 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उनसे यौन अपराध में दोषी करार दिए गए दिवंगत जेफ्री एप्स्टीन के साथ दोस्ती से जुड़े आरोपों के बारे में हिरासत में लेकर घंटों पूछताछ की थी।

यह गिरफ्तारी ब्रिटेन के लिए एक असाधारण कदम था जहां अधिकारी अकसर शाही परिवार को शर्मिंदगी से बचाने की कोशिश करते हैं। माउंटबेटन-विंडसर ने हालांकि, आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पुलिस ने पहले कहा था कि वे उन रिपोर्ट का अध्ययन कर रहे हैं कि माउंटबेटन-विंडसर ने 2010 में एप्स्टीन को व्यापार संबंधी रिपोर्ट भेजी थीं, जब तत्कालीन प्रिंस ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विशेष दूत थे। ब्रिटिश पुलिस की अपील ऐसे समय आई है जब जांचकर्ताओं ने आशंका जताई है कि जनता में यह धारणा बन सकती है कि एंड्रयू के खिलाफ जांच व्यापार दूत संबंधी आरोपों तक सीमित हो सकती है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वास्तव में सार्वजनिक पद पर दुर्व्यवहार के आरोपों का दायरा व्यापक हो सकता है। सहायक मुख्य कांस्टेबल ओलिवर राइट ने कहा, सार्वजनिक पद पर दुर्व्यवहार एक ऐसा अपराध है जो अलग-अलग रूप ले सकता है, जिससे यह एक जटिल जांच बन जाती है। उन्होंने कहा, हमारे बेहद अनुभवी जांचकर्ताओं की टीम जनता और अन्य स्रोतों से प्राप्त हुई महत्वपूर्ण जानकारी का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर रही है। पुलिस ने बताया कि सार्वजनिक पद पर कदाचार में गोपनीय वित्तीय जानकारी साझा करना, वित्तीय कदाचार, कर्तव्य की जानबूझकर उपेक्षा और यौन कदाचार शामिल हो सकते हैं। इसमें भ्रष्टाचार और अनुचित हस्तक्षेप, हितों का टकराव, न्याय प्रक्रिया को बाधित करना, बेईमानी या धोखाधड़ीपूर्ण आचरण या व्यक्तिगत लाभ के लिए किया गया कदाचार भी शामिल हैं।

अमेरिका ने इजराइल की रक्षा में थाड के लगभग आधे भंडार का इस्तेमाल किया : अमेरिकी मीडिया

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ युद्ध में इजराइल की रक्षा करते हुए मिसाइल रोधी अपनी उन्नत रक्षा प्रणाली थाड के कुल भंडार का लगभग आधा हिस्सा इस्तेमाल कर लिया है। द वाशिंगटन पोस्ट ने यह खबर दी। द पोस्ट ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने इजराइल की रक्षा करते हुए 200 से अधिक टर्मिनल हाई अल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (थाड) अवरोधक दागे जो अमेरिका के कुल भंडार का लगभग आधा हिस्सा है। इसके साथ ही पूर्वी भूमध्य सागर में नौसैनिक पोतों से 100 से अधिक स्टैंडर्ड मिसाइल-3 और स्टैंडर्ड मिसाइल-6 अवरोधक दागे गए।

द पोस्ट की बृहस्पतिवार की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने अपने 100 से कम एरो अवरोधक और लगभग 90 डेविड्स स्लिंग अवरोधक दागे जिनमें से कुछ अवरोधकों का इस्तेमाल यमन और लेबनान में ईरान समर्थित समूहों द्वारा दागे गए कम उन्नत प्रक्षेपास्त्रों के खिलाफ किया गया। अमेरिका और इजराइल ने ईरान के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर 28 फरवरी को हमले करते हुए उसके साथ युद्ध शुरू किया था। इन हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई समेत उसके कई अहम नेताओं की मौत हो गई। इसके जवाब में ईरान ने भी पश्चिम एशिया में अमेरिका के सहयोगियों पर हमले किए। दोनों पक्षों के बीच आठ अप्रैल को अस्थाई संघर्षविराम लागू हुआ। इसके बाद से अमेरिका और ईरान चार दशक से अधिक समय से जारी शत्रुता को समाप्त करने के लिए शांति समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा, अमेरिका ने कुल लगभग 120 अधिक अवरोधक दागे। एक प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के अनुसार अमेरिका और इजराइल आगामी दिनों में ईरान के खिलाफ फिर से हमले शुरू करते हैं तो अमेरिकी सेना द्वारा और अधिक अवरोधकों का इस्तेमाल किए जाने की संभावना है ।

न्यूज ब्रीफ

चीन के साथ संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने पर स्मारक सिक्का जारी करेगा पाकिस्तान

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने चीन के साथ राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 75 पाकिस्तानी रुपए का एक विशेष स्मारक सिक्का जारी करने की घोषणा की है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना के दो साल से भी कम समय में 1951 में पाकिस्तान और चीन ने औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए। पाकिस्तान पहला मुस्लिम राष्ट्र था जिसने बीजिंग के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि यह स्मारक सिक्का 25 मई से देश भर में स्थित उसके बैंकिंग काउंटरों के माध्यम से जनता के लिए उपलब्ध होगा।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, पाकिस्तान और चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, पाकिस्तान सरकार ने 75 रुपए का एक स्मारक सिक्का जारी करने का निर्णय लिया है। यह सिक्का 25 मई, 2026 से एसबीपी बैंकिंग के काउंटरों के माध्यम से आम जनता के लिए उपलब्ध होगा। पाकिस्तान और चीन को व्यापक रूप से सदाबहार सहयोगी के रूप में वर्णित किया जाता है, और दोनों देशों के बीच दशकों से रक्षा, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे और कूटनीतिक मामलों में घनिष्ठ सहयोग है। चीन पाकिस्तान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और एक प्रमुख निवेशक भी है, विशेष रूप से कई अरब डॉलर वाली चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना के माध्यम से, जो बीजिंग की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की एक प्रमुख योजना है।

पाकिस्तान में चलाए गए अभियानों में 23 आतंकवादी मारे गए

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बुधवार और बृहस्पतिवार को देश के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में चलाए गए सिलसिलेवार अभियानों के दौरान 23 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना के मीडिया शाखा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। द इंटर-सर्विसेज़ पब्लिक रिलेशन्स (आईएसपीआर) ने बताया कि सैनिकों ने दत्ता खेल, स्पिनवाम और बन्नू सहित कई इलाकों में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाए और आतंकवादियों के साथ भीषण गोलीबारी हुई। सेना की मीडिया शाखा के अनुसार, इन अभियानों में 23 आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर के अनुसार, वांछित आतंकवादी जान मीर उर्फ तूर साकिब भी इन अभियानों के दौरान मारा गया, जिससे क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादी गिरोह को बड़ा झटका लगा है।

साकिब कई आतंकी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए वांछित था, जिनमें सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों की हत्याएं शामिल हैं। सेना ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों से हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक उपकरण (आईईडी) और देसी बम बरामद किए गए हैं। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों द्वारा कथित तौर पर इस्तेमाल की जा रही भूमिगत सुरंगों और बंकरों के जाल का पता लगाकर उसे नष्ट कर दिया। प्रभावित क्षेत्रों में बचे हुए आतंकवादियों का पता लगाने और उनको खत्म करने के लिए तलाशी अभियान जारी है। पाकिस्तान ने अपने अज़्म-ए-इस्तेहकाम अभियान के तहत आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज कर दिया है।

कांगो में इबोला का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा : डब्ल्यूएचओ प्रमुख

» जिनेवा, भाषा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख के मुताबिक अफ्रीकी देश कांगो में इबोला का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है और राष्ट्रीय स्तर पर स्थिति विकराल हो रही है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेएसस ने शुक्रवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने कांगो के भीतर जोखिम के अपने आकलन को संशोधित किया है और अब यह बहुत उच्च श्रेणी में है, जिसे पहले उच्च श्रेणी में माना गया था।

उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि क्षेत्रीय स्तर पर इबोला संक्रमण फैलने का खतरा अधिक है, लेकिन फिलहाल इसके वैश्विक महामारी में तब्दील होने की आशंका कम है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने बताया कि कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में 82 मामलों और इस बीमारी के कारण सात लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा, लेकिन हम जानते हैं कि कांगो में महामारी का प्रकोप कहीं अधिक व्यापक है। घेब्रेएसस ने कहा कि अब तक लगभग 750 संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 177 लोगों की संक्रमण से मौत होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि पड़ोसी देश युगांडा में स्थित स्थिर है, जहां कांगो से आए लोगों में दो इस वायरस से संक्रमित पाए गए।

सरकार एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले पर्वतारोहियों की संख्या सीमित करे, चोटी पर बढ़ रही भीड़ : कामी रीता

» काठमांडू, भाषा।

माउंट एवरेस्ट पर इस सप्ताह रिकॉर्ड 32वीं बार फतह हासिल करने वाले एक मशहूर नेपाली गाइड ने शुक्रवार को अधिकारियों से दुनिया की इस सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ाई करने वाले पर्वतारोहियों की संख्या सीमित करने का आग्रह किया। इस मौसम में चीन द्वारा तिब्बत की ओर से पर्वतारोहण मार्ग बंद किए जाने के कारण, नेपाल की तरफ से 8,849 मीटर ऊंची इस चोटी की चढ़ाई करने वाले लोगों की संख्या में काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है। एवरेस्ट पर नेपाल की तरफ से दक्षिणी मार्ग या चीन की तरफ से उत्तरी मार्ग, दोनों ओर से चढ़ाई की जा सकती है। बीते बुधवार को रिकॉर्ड 274 पर्वतारोहियों ने एवरेस्ट फतह किया, जो नेपाल की तरफ से एक ही दिन में चोटी पर पहुंचने वालों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है।

नेपाल के पर्वतारोहण अधिकारियों द्वारा इस बार कुल 494 पर्वतारोहियों को परमिट जारी किए गए हैं और इतनी ही संख्या में शेरपा गाइड भी उनके साथ जा रहे हैं। एवरेस्ट से लौटने के बाद काठमांडू हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में कामी रीता शेरपा ने कहा, पिछले साल की तुलना में इस साल पर्वतारोहियों की संख्या अधिक होने के कारण बहुत ज्यादा भीड़ थी। अधिकारियों को इस संख्या को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। आमतौर पर पर्वतारोहियों को चोटी पर चढ़ाई करने के लिए अनुकूल मौसम के बहुत कम अवसर मिलते हैं। ऐसे में एक ही तय रस्सी के सहारे कतार में बड़ी संख्या में लोगों के प्रतीक्षा करने से भीड़ बढ़ने का जोखिम बढ़ जाता है, जिससे पर्वतारोहियों को इंतजार करने के कारण लंबे समय तक बेहद खराब और जोखिमभरे मौसम का सामना करना पड़ता है। इस बीच, कामी रीता के सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी पासांग दावा शेरपा ने शुक्रवार को 31वीं बार एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक कदम रखा। इस सप्ताह यह उनकी दूसरी सफल चढ़ाई थी। 56 वर्षीय कामी रीता ने पहली बार 1994 में एवरेस्ट फतह किया था और तब से वह लगभग हर साल इस यात्रा पर जा रहे हैं।

एवरेस्ट के शिखर से उतरते वक्त दो भारतीय पर्वतारोहियों की मौत: अधिकारी

काठमांडू, भाषा। एवरेस्ट के शिखर से उतरते वक्त दो भारतीय पर्वतारोहियों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नेपाल अभियान संचालक संघ के महासचिव ऋषि भंडारी ने बताया कि अरुण कुमार तिवारी और संदीप अरे नामक पर्वतारोही शिखर से नीचे आते समय बुरी तरह थक गए थे, गाइड ने उन्हें बचाने के बहुत प्रयास किए लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। भंडारी ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि अरे ने बुधवार को और तिवारी ने बृहस्पतिवार शाम लगभग साढ़े पांच बजे शिखर पर चढ़ाई की। उन्होंने कहा कि गाइड ने बहुत कोशिश की, लेकिन वे उन्हें (पर्वतारोहियों को) बचा नहीं सके। अभियान का आयोजन करने वाले पायनियर एडवेंचर्स के निदेशक निवेश कार्की ने बताया कि शिखर से ठीक नीचे हिलेरी स्टेप के पास, बृहस्पतिवार शाम उतरते समय तबीयत बिगड़ने के बाद तिवारी की मौत हो गई। बीमार पड़ने पर चार शेरपा पर्वतारोही उनकी सहायता कर रहे थे। कार्की ने बताया कि संदीप अरे ने बुधवार को शिखर पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी, लेकिन उतरते समय उनकी तबीयत बिगड़ गई। शेरपा गाइडों ने उन्हें साउथ समिट से बचाया, लेकिन शुक्रवार तड़के कैंप-2 पहुंचने के कुछ ही समय बाद उनकी मौत हो गई। कार्की ने कहा कि मृत पर्वतारोहियों के शवों को काठमांडू वापस लाने के प्रयास जारी हैं। इसके साथ ही, इस सीजन में एवरेस्ट पर मरने वालों की संख्या पांच हो गई है। इससे पहले, तीन नेपाली पर्वतारोहियों की एवरेस्ट पर मौत हो चुकी है। बुधवार को, अरे सहित तीन भारतीय उन 274 पर्वतारोहियों के दल में शामिल थे जिन्होंने 8,848.86 मीटर ऊंची चोटी पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। यह एक दिन में अब तक दर्ज सबसे अधिक सफल चढ़ाइयों का नया रिकॉर्ड था। अन्य दो पर्वतारोही तुलसी रेड्डी पालपुनूरी और अजय पाल सिंह धालीवाल थे। इसके अगले दिन यानी बृहस्पतिवार को भारत के लक्ष्मीकांत मंडल भी विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचे थे।

यूक्रेनी प्रदर्शनकारियों ने लापता सैनिकों को मृत घोषित किए जाने की आशंका जताई

कीव, भाषा। सैकड़ों यूक्रेनी नागरिकों ने शुक्रवार को राजधानी में विरोध मार्च निकाला और सरकार से उस विधेयक को वीटो करने की मांग की जिसे लेकर लापता सैनिकों के परिवारों ने आशंका जताई है कि उनके प्रियजनों को समय से पहले ही मृत घोषित किया जा सकता है। प्रदर्शनकारी विधेयक संख्या 13646 का विरोध करने के लिए एकत्रित हुए, जो लापता व्यक्तियों की कानूनी स्थिति से संबंधित है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस कानून के कुछ प्रावधानों के तहत अदालतें लापता यूक्रेनी सैन्य कर्मियों को उनकी स्थिति की पुष्टि होने से पहले ही कानूनी रूप से मृत घोषित कर सकती हैं। कीव मार्च में भाग लेने वाली 27 वर्षीय मारियाना यात्सेलेन्को ने कहा, आज सभी परिवार इसलिए सड़कों पर उतरे हैं ताकि लापता लोगों को मृतकों के बराबर न माना जाए। यूक्रेन के लापता व्यक्तियों के मामले के आयुक्त आर्थर डोब्रोसिएर्डोव के अनुसार, विशेष परिस्थितियों में लापता हुए व्यक्तियों के एकीकृत रजिस्टर में 90,000 से अधिक लोगों को लापता के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। ना तो रूस और ना ही यूक्रेन युद्ध में हताहतों की नियमित संख्या प्रकाशित करते हैं, जबकि विश्लेषकों का अनुमान है कि लड़ाई में लाखों लोग हताहत हुए हैं। रूसी अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने यूक्रेन के रूस-अधिकृत लुहांस्क क्षेत्र के शहर स्टारोबिलस्क में एक कॉलेज के छात्रावास पर हमला किया, जिसमें चार लोग मारे गए और 39 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि मलबे के नीचे 18 लोग दबे हो सकते हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे जघन्य अपराध बताया। यूक्रेनी अधिकारियों ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। शुक्रवार को रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने मॉस्को क्षेत्र और देश के दूसरे सबसे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग सहित कई रूसी क्षेत्रों में 217 यूक्रेनी ड्रोन को रोका। यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि उसने रात भर में हमले के लिए आए 124 रूसी ड्रोनों में से 115 को मार गिराया या जाम कर दिया। ए ड्रोन हाल के महीनों में नागरिक क्षेत्रों पर लगातार हो रही बमबारी का हिस्सा थे। राष्ट्रीय पुलिस ने बताया कि उत्तरी सूमी क्षेत्र में रूसी हमलों में एक बच्चे सहित 11 लोग घायल हुए। क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख के अनुसार, दक्षिणी यूक्रेन के खेरसोन शहर में एक रूसी ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र द्वारा सत्यापित रिपोर्ट के मुताबिक हताहत होने वाले यूक्रेनी नागरिक की संख्या इस वर्ष के पहले चार महीनों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 21 प्रतिशत बढ़ी है, जिसमें 815 नागरिक मारे गए और 4,174 अन्य घायल हुए।

अमेरिका-ईरान के बीच चल रही वार्ता और क्षेत्रीय राजनयिक प्रयासों पर चर्चा से संबंधित कई अहम बैठकें करेंगे

पश्चिम एशिया युद्ध : पाकिस्तान के गृहमंत्री ने ईरानी विदेशमंत्री से शुक्रवार को बात की

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने शुक्रवार को तेहरान में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची से 24 घंटे के भीतर दूसरी बार मुलाकात की, ताकि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से प्रस्तावित प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया जा सके। नकवी बुधवार को बिना किसी पूर्व सूचना के तेहरान पहुंचे थे। एक सप्ताह से भी कम समय में यह उनकी दूसरी यात्रा है, जिसका उद्देश्य ईरान और अमेरिका के बीच मतभेदों को कम करना है।

नकवी पहले ही ईरान के शीर्ष नेतृत्व से मिल चुके हैं, जिनमें राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान, ईरान के गृहमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। विदेश मंत्री अराघची ने बृहस्पतिवार की सुबह नकवी से मुलाकात कर ईरान-अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता पर चर्चा की। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम के मुताबिक, शुक्रवार को पाकिस्तान के गृह मंत्री ने विवादों के समाधान संबंधी प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए अरघची से मुलाकात की। पाकिस्तान के समाचार चैनल जियो न्यूज ने ईरान की आधिकारिक मीडिया के हवाले से बताया कि नकवी और अराघची ने अमेरिका-ईरान संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से विस्तृत प्रस्तावों पर चर्चा की। चैनल के मुताबिक दोनों नेताओं ने क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थिरता और शांति स्थापित करने के लिए संभावित तंत्रों पर भी चर्चा की। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि नकवी शुक्रवार को भी तेहरान में रहेंगे और अमेरिका-ईरान के बीच चल रही वार्ता और क्षेत्रीय राजनयिक प्रयासों पर चर्चा से संबंधित कई अहम बैठकें करेंगे। पाकिस्तान ने आधिकारिक रूप से ईरान में नकवी की गतिविधियों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पाकिस्तान इस महत्वपूर्ण राजनयिक प्रयास पर चुप्पी साधे हुए है। ईरान की मीडिया ने बृहस्पतिवार को खबर दी थी कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर इस सप्ताह तेहरान का दौरा कर सकते हैं।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर अमेरिका-ईरान युद्ध समाप्त कराने की कोशिशों के बीच तेहरान रवाना

इस्लामाबाद, भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर शुक्रवार को तेहरान की यात्रा पर रवाना हुए। सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। मनीर की यह यात्रा अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति समझौते की कोशिशों के बीच हो रही है जिसमें पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख की गत एक महीने में यह दूसरी ईरान यात्रा है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्री मोहसिन नकवी बुधवार से ईरान में हैं और शीर्ष ईरानी नेतृत्व के साथ की गई वार्ता में प्रगति की खबरों के बाद सेना प्रमुख तेहरान रवाना हुए। नकवी ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ गत एक सप्ताह में दो बार बात की है। सूत्रों ने बताया कि फील्ड मार्शल मुनीर तेहरान यात्रा के दौरान प्रमुख ईरानी नेताओं से मुलाकात करेंगे और ईरान-अमेरिका वार्ता, क्षेत्र में शांति और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे। ईरान के सरकारी समाचार चैनल प्रेस टीवी ने सरकारी समाचार एजेंसी इरना के हवाले से बताया कि फील्ड मार्शल मुनीर ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए तेहरान आ रहे हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख की यह यात्रा विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी के उस बयान के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान से ईरान जाने वाले एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की खबरों की न तो पुष्टि की और न ही खंडन किया था।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com